page 1 and 8 jan 15_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/15/2026 1:58 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मां वैष्णो देवी भवन पर प्राकृतिक गुफा से दर्शन करने वाले भक्तों का इंतजार खत्म

5 कंधे की चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से हटे

8 एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

मौसम जम्मू न्यूनतम 5 अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-13 | जम्मू तवी, वीरवार 15 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पशुधन हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार: शिवराज चौहान

नई दिल्ली, 14 जनवरी । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि पशुधन हमारे जीवन और गांव की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। भारत के मवेशी नस्लें केवल उत्पादन तक सीमित नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और एनडीआरआई के वैज्ञानिकों ने साल 2019 से नस्ल संरक्षण अभियान को नए आयाम दिए हैं। शिवराज चौहान बुधवार को पूसा में आयोजित दो कार्यक्रमों में भाग लेते हुए पशु नस्ल पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित किए और नस्ल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, संस्थानों और पशुपालकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर शिवराज चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में नए छात्रावास और शैक्षणिक भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस छात्रावास के निर्माण से 300 छात्राओं को आधुनिक और सुरक्षित सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि खेती नवाचार और अवसर का क्षेत्र है। उन्होंने सुझाव दिया कि एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और कॉलेजों की ग्रेडिंग प्रणाली लागू हो, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिले और एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बने। कृषि मंत्री ने बताया कि बड़ी संख्या में बेटियां अब कृषि शिक्षा में आगे बढ़ रही हैं और नई पीढ़ी के नवाचार से कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिल रही है। चौहान ने कहा कि भारतीय संस्कृति, विज्ञान और आधुनिकता का संगम ही कृषि और पशुधन क्षेत्र को सशक्त बनाएगा। उन्होंने किसानों, वैज्ञानिकों और युवाओं से मिलकर धरती, कृषि और पशुधन की रक्षा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईसीएआरके महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट और आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी श्रीनिवास राव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूर्व सैनिक अतीत की कहानियाँ नहीं, बल्कि जीवंत आदर्श हैं : एलजी सिन्हा

वॉल ऑफ फेम' का उद्घाटन, समर्पित पुलिस हेल्पलाइन सेवा का शुभारंभ

जम्मू तवी, 14 जनवरी। पूर्व सैनिकों को अतीत की कहानियाँ नहीं, बल्कि जीवंत आदर्श बताते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि उनका साहस, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा आज भी राष्ट्र को, विशेष रूप से युवाओं को, निरंतर प्रेरित करती है। यहाँ 10वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलजी सिन्हा ने कहा, हमारे पूर्व सैनिक जीवंत इतिहास का प्रतीक हैं। उनके बलिदानों ने न केवल हमारी स्वतंत्रता की रक्षा की है, बल्कि हमारे महान राष्ट्र की नियति को भी आकार दिया है। पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों की सराहना करते हुए एलजी सिन्हा ने कहा, देश की सुरक्षा और उसकी दिशा तय करने में उनका अतुलनीय योगदान प्रशंसनीय है। पूरा राष्ट्र उनका ऋणी है।एलजी सिन्हा ने कहा कि सशस्त्र बलों में सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवन भर की प्रतिबद्धता है, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी जारी रहती है, जब वर्दी तह करके रख दी जाती है।सरकार की जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना प्रशासन का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें शिक्षा, अवसर और सम्मानजनक जीवन प्राप्त हो सके।हमारे पूर्व सैनिकों का साहस केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह शांति निर्माण, समाज को सशक्त करने और राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, उन्होंने कहा, साथ ही यह भी जोड़ा कि पूर्व सैनिक और सेवारत जवान हमेशा अपनी सुरक्षा से पहले दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।उपराज्यपाल ने सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को भारत की सुरक्षा की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा, जब देश चैन की नींद सोता है, तब हमारे सैनिक सतर्क रहते हैं। जब परिवार त्योहार साथ मनाते हैं, तब हमारे सैनिक घरों से दूर सीमाओं की रक्षा करते हैं। वे बलिदान की बातें नहीं करते, वे हर पल उसे जीते हैं।पूर्व सैनिकों को युवा पीढ़ी के लिए जीवंत आदर्श बताते हुए एलजी सिन्हा ने युवाओं से उनके अनुशासन, चरित्र और निस्वार्थ सेवा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

गुलाम हसन शेख ने जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया

जम्मू, 14 जनवरी । गुलाम हसन शेख ने आज सरकारी आदेश के अनुसार जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद शेख ने एक परिचयात्मक बैठक बुलाई जिसमें जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन संगठन के लक्ष्यों को निर्धारित किया गया। उन्होंने सभी विभागों से हितधारकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और शैक्षणिक मानकों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए समन्वय से काम करने का आह्वान किया। अध्यक्ष ने बोर्ड की शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता दक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं विद्यार्थी-केंद्रित नीतियों में विश्वास रखता हूं जिनमें समय पर परीक्षा आयोजित करना परिणाम घोषित करना और पुस्तकों का वितरण करना जैसी सेवाओं की निर्बाध डिलीवरी शामिल है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया और उनके कुशल नेतृत्व में संगठन के और अधिक सुव्यवस्थित होने की आशा व्यक्त की।

सतीश शर्मा ने श्री दरबार साहिब के लिए जम्मूकश्मीर आर.टी.सी. की जम्मू/अमृतसर बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जम्मू, 14 जनवरी । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज जम्मू से श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर), अमृतसर के लिए जम्मूकश्मीर आर.टी.सी.बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी में सुधार और जम्मूकश्मीर के लोगों के लिए तीर्थ यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस सेवा का उद्घाटन जम्मू के गुरुद्वारा चांद नगर में परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, जम्मूकश्मीर आर.टी.सी.के अधिकारियों, सिख समुदाय के सदस्यों और स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में किया गया।

केंद्रीय गृह सचिव ने आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ पर की समीक्षा बैठक

जम्मू, 14 जनवरी केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के साथ बुधवार को एक समीक्षा बैठक में सीमा पर चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ का आकलन किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए यह बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद हुई है। शाह ने 8 जनवरी को सुरक्षाबलों को आतंकवादी ढांचे और आतंकवाद वित्तपोषण को निशाना बनाते हुए अपने अभियानों को मिशन मोड में जारी रखने के निर्देश दिए थे। केंद्रीय अधिकारियों की एक टीम के साथ केंद्रीय गृह सचिव दो दिवसीय दौरे पर आज दोपहर में जम्मू पहुंचे और सीधे कन्वेंशन सेंटर में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार, सीआरपीएफ प्रमुख जी पी सिंह और जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात के साथ-साथ वरिष्ठ सैन्य, पुलिस, नागरिक और खुफिया अधिकारी उपस्थित थे।
अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल जम्मू के पहाड़ी इलाकों और वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं, जहां माना जाता है कि पाकिस्तानी नागरिकों सहित लगभग तीन दर्जन आतंकवादी दो साल से अधिक समय पहले घुसपैठ करने के बाद छिपे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के साथ ड्रोन गतिविधियों में भी तेजी आई है, खुफिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि घने कोहरे की आड़ में घुसपैठ करने के लिए आतंकवादी मौजूद हैं।

मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज समाज कल्याण विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू, 14 जनवरी । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज समाज कल्याण विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें समाज कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव ने विभाग के प्रदर्शन प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन वित्तीय स्थिति अवसंरचना विकास और विभाग की भविष्य की प्राथमिकताओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।
बैठक में सचिवों मिशन पोषण मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य के मिशन निदेशकों जम्मू-कश्मीर समाज कल्याण विभाग के निदेशकों सलाहकार बोर्डों के अध्यक्षों और अन्य संबंधित अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।
समीक्षा में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत निदेशालयों मिशन निदेशालयों सलाहकार बोर्डों निगमों और वैधानिक निकायों के कामकाज का जायजा लिया गया जिसमें समावेशी विकास महिला सशक्तिकरण बाल कल्याण पोषण सुरक्षा और कमजोर वर्गों की सामाजिक सुरक्षा की दिशा में निरंतर प्रयासों पर बल दिया गया।
सामाजिक कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव सरमद हाफ़िज़ ने बताया कि विभाग अपने निदेशालयों तीन मिशन निदेशालयों अनुसूचित जाति अन्य पिछड़ा वर्ग और पहाड़ी भाषी लोगों के लिए सलाहकार बोर्डों और जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम और जम्मू-कश्मीर अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग विकास निगम सहित समर्पित निगमों के माध्यम से वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रहा है।
मिशन पोषण के कार्यान्वयन और पोषण एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को सुदृढ़ करने की समीक्षा करते हुए प्रबंध निदेशक सज्जाद हुसैन गनई ने बताया कि 99 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं के साथ कार्यात्मक बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने आगे बताया कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सक्षम आंगनवाड़ियों को पूरे केंद्र शासित प्रदेश में संचालित किया जा रहा है जबकि पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत 24 933 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पोषण मेले तिथि भोज ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस और पोषण ऑन व्हील्स जैसी सामुदायिक पहलों ने जमीनी स्तर पर भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है साथ ही बच्चों के औपचारिक शिक्षा में सुगम संक्रमण को सुविधाजनक बनाने के लिए विद्यारंभ प्रमाण पत्र भी शुरू किए गए हैं।

स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियां 17 जनवरी तक बढ़ा दी गईं

जम्मू, 14 जनवरी । स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू (डीएसईजे) ने मौजूदा खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए जम्मू के ग्रीष्मकालीन क्षेत्र में आने वाले सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए शीतकालीन छुट्टियां 17 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी हैं। एक आदेश के अनुसार विस्तार छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों दोनों पर लागू होगा। हालाँकि कक्षा 10वीं से 12वीं के लिए बोर्ड परीक्षाएं यदि निर्धारित होती हैं तो सख्ती से अधिसूचित तिथियों के अनुसार आयोजित की जाएंगी। स्कूलों को कक्षा 6वीं से आगे के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने की संभावना तलाशने की भी सलाह दी गई है। इस बीच गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारी सक्षम अधिकारियों द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी।

जम्मू और कश्मीर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है : उत्तरी सेना कमांडर

राजौरी, 14 जनवरी। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने बुधवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है न केवल अपने भौगोलिक महत्व के कारण बल्कि अपनी मजबूत सैन्य संस्कृति और मानव संसाधनों के कारण भी। राजौरी में 10वें वयोवृद्ध दिवस समारोह के समापन समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए सेना कमांडर ने सशस्त्रबलों में इस क्षेत्र के योगदान की भी सराहना की। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा, जम्मू और कश्मीर न केवल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है बल्कि मानव संसाधनों और सैन्य परंपरा के मामले में भी राष्ट्र की मूल सुरक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। सशस्त्र बलों में इस क्षेत्र के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 1.5 करोड़ की आबादी के साथ जम्मू और कश्मीर भारत के सीमा सुरक्षा बलों में लगभग 4 से 5 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, सशस्त्र बलों की कुल संख्या के अनुपात में देखा जाए तो यह एक महत्वपूर्ण योगदान है। क्षेत्र की समृद्ध सैन्य विरासत का जिक्र करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा कि जम्मू और कश्मीर विविध रेजिमेंटल परंपराओं में गहराई से निहित है जो देशभक्ति और बलिदान की एक अनूठी भावना को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, जम्मू और कश्मीर राइफल्स, जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री और डोगरा इकाइयों जैसी प्रतिष्ठित रेजिमेंटों का हर युद्ध में असाधारण प्रदर्शन जम्मू और कश्मीर की धरती और यहां के लोगों के लिए गर्व की बात है। उत्तरी सेना कमांडर ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में लगभग 45,000 पूर्व सैनिक और 975 वीर नारी रहती हैं जो विभिन्न पदों पर देश की सेवा कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, अपने अनुशासन और देशभक्ति के बल पर हमारे पूर्व सैनिकों ने आपदा प्रबंधन और अन्य नागरिक भूमिकाओं में भी बहुमूल्य योगदान दिया है जिससे सैन्य-नागरिक एकता मजबूत हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूर्व सैनिकों की भूमिका को याद करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा कि उनके अनुभव, स्थानीय ज्ञान और शौर्य ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सैनिकों का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

10वीं और 12वीं की वार्षिक नियमित परीक्षाओं 2025 के परिणामों में प्रदेश की बेटियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

जम्मू, 14 जनवरी । जम्मू कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन द्वारा घोषित कक्षा 10वीं और 12वीं की वार्षिक नियमित परीक्षाओं 2025 के परिणामों में प्रदेश की बेटियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है। घोषित आंकड़ों के अनुसार कक्षा 10वीं में कुल 85.03 प्रतिशत छात्र सफल रहे, जबकि कक्षा 12वीं में दोनों डिवीजनों को मिलाकर लगभग 84 प्रतिशत विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।
कक्षा 10वीं की परीक्षा में पूरे जम्मू-कश्मीर से 94,845 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे जिनमें से 80 650 सफल घोषित किए गए। परिणामों में छात्राओं की बढ़त स्पष्ट रही। कुल 47 109 छात्राओं में से 40 408 उत्तीर्ण हुईं जिससे उनका पास प्रतिशत 85.78 रहा। वहीं 47 736 छात्रों में से 40 242 सफल हुए और उनका पास प्रतिशत 84.30 दर्ज किया गया। डिवीजनवार प्रदर्शन की बात करें तो कक्षा 10वीं में जम्मू डिवीजन का पास प्रतिशत 77.89 जबकि कश्मीर डिवीजन का 87.63 रहा। कश्मीर डिवीजन ने इस वर्ग में बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया। कक्षा 12वीं में जम्मू डिवीजन से 13 893 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 12 l027 उत्तीर्ण हुए और पास प्रतिशत 87 रहा

कठुआ के कंडी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि से हड़कंप, सुरक्षाबलों का संयुक्त तलाशी अभियान जारी

कठुआ 14 जनवरी । कठुआ जिले के कंडी क्षेत्र जखोल के संगानू क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के जवानों ने पूरे इलाके को घेराबंदी में लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया। जानकारी के अनुसार जिला कठुआ के जखोल के समीप संगानू गांव के एक स्थानीय ग्रामीण ने सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी कि उसने क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को देखा है। सूत्रों के मुताबिक इन संदिग्धों ने उससे खाने-पीने की वस्तुओं की मांग भी की थी। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षाबलों को तत्काल अलर्ट किया गया। इस संबंध में डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि सुरक्षाबलों को संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त टीमों ने इलाके में पहुंचकर पूरे कंडी क्षेत्र को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। डीआईजी ने बताया कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए सर्च ऑपरेशन को पूरी सतर्कता और रणनीति के तहत अंजाम दिया जा रहा है

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने गृह मंत्रालय (एमएचए) और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच आगामी वार्ता के संतोषजनक परिणाम की जताई उम्मीद

जम्मू, 14 जनवरी। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बुधवार को गृह मंत्रालय (एमएचए) और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच आगामी वार्ता के संतोषजनक परिणाम की उम्मीद जताई और कहा कि बातचीत सभी मुद्दों को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है। गृह मंत्रालय ने हाल ही में जनवरी के अंत में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है।लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) संयुक्त रूप से लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और क्षेत्र में छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं और अतीत में एचपीसी के साथ कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। पिछले साल 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा के बाद वार्ता में गतिरोध आ गया था जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। केंद्र के साथ 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत को पहले करने के लिए दबाव डालने के लिए बुलाई गई आम हड़ताल के दौरान हिंसा भड़क उठी। हालाँकि केंद्र द्वारा हिंसा की सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के आदेश के बाद 22 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों ने एमएचए की उप-समिति के साथ बातचीत की और बैठक में निर्णय के अनुसार एमएचए को अपनी मांगों पर एक विस्तृत दस्तावेज भी सौंपा। ऐसी बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाती थीं। गृह मंत्रालय ने इस महीने के अंत में समिति की बैठक बुलाई है और मेरा मानना है कि सदस्यों को यह समझना चाहिए कि जो भी चर्चा की जाती है वह संधिान के ढांचे के भीतर और देश के हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2019 से लद्दाख का विशेष ध्यान रखा ह

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देंखेगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबधित रोगों से मुक्ति मिलती है
ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्ध्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत- ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुत- माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय खूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बांदीपोरा में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां पूरी

बांदीपोरा, 14 जनवरी (हि.स.)। बांदीपोरा की उपायुक्त इंदु कंवल चिब ने आज सम्मेलन कक्ष में संबंधित अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जिले में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने बांदीपोरा के एस के स्टेडियम में मुख्य समारोह के साथ-साथ गुरेज और सुंबल उपमंडलों और अन्य अधिसूचित स्थानों पर आयोजित होने वाले समारोहों की तैयारियों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों ने अध्यक्ष को बताया कि तैयारियां संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही हैं लेकिन उपायुक्त ने समारोहों को और अधिक आकर्षक और प्रेरणादायक बनाने के लिए निरंतर सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने विभागों को बैठने की क्षमता और मौजूदा मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ध्वजारोहण शहनाई वादन परियों की परेड सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उचित बैठने और मंच की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

शैक्षणिक संस्थानों राष्ट्रीय सुरक्षा बल स्वयंसेवकों स्काउट्स एवं गाइड्स संगीतकारों और स्थानीय कलाकारों को शामिल करते हुए विषय-आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर जोर दिया गया। सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जांच और अंतिम रूप देने के लिए एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया। उपायुक्त ने आर एंड बी एवं नगर पालिका अधिकारियों को सरकारी भवनों पुलों और गोल चक्करों की उचित रोशनी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 ग्रामीण सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047 की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम : शाम लाल शर्मा

जम्मू, 14 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जम्मू उत्तर ने आज वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के उद्देश्यों और दीर्घकालिक प्रभाव विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ इसके तालमेल और जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर के विकास, ग्रामीण सशक्तिकरण और पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व-आधारित रोडमैप पर केंद्रित एक व्यापक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जम्मू उत्तर के विधायक शाम लाल शर्मा, मारह के विधायक सुरिंदर भगत, जम्मू उत्तर जिला भाजपा अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा, महासचिव अयोध्या गुप्ता प्रभारी, जम्मू उत्तर के संयोजक भुवनेश मेहता, रवीश मेंगी, मंडल अध्यक्ष यश पाल शर्मा, राकेश सिंह, शमशेर प्रजापर्ती, रॉबिन कारवाल सहित वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे। मीडिया को संबोधित करते हुए शाम लाल शर्मा ने विस्तार से बताया कि वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका कानून है जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वर्ष 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार प्रदान करना है जिससे आय स्थिरता और आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम प्रतीकात्मक आश्वासनों से हटकर एक कानूनी रूप से लागू करने योग्य, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी विकास ढांचे की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। वक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि यह योजना अल्पकालिक मजदूरी सहायता से आगे बढ़कर ग्रामीण सड़कों, सिंचाई एवं जल निकासी प्रणालियों, जल संरक्षण एवं संचयन संरचनाओं, बाढ़ सुरक्षा कार्यों और आवश्यक सामुदायिक बुनियादी ढांचे जैसी टिकाऊ संपत्तियों के निर्माण के माध्यम से सतत ग्रामीण विकास पर केंद्रित है।

कठुआ के कंडी क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी, डीआईजी शिव कुमार की लोगों से सतर्क रहने की अपील

कठुआ 14 जनवरी (हि.स.)। कठुआ जिले के कंडी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के बाद चल रहे सुरक्षा बलों के संयुक्त तलाशी अभियान के बीच जम्मू संभाग के डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने आम लोगों से सतर्क रहने और सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा है कि यदि किसी भी नागरिक को कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देती है, तो वह बिना देरी किए नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्षा जांच चैकी से संपर्क करे।

डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं और लोगों के सहयोग से ही किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सकता है।

डीआईजी ने यह भी कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए अफवाहों से बचना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर फैल रही अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

अफवाहें न केवल भ्रम फैलाती हैं बल्कि सुरक्षा अभियानों में बाधा भी उत्पन्न कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि कठुआ के कंडी क्षेत्र में पुलिस, सीआरपीएफ और सेना द्वारा संयुक्त रूप से तलाशी अभियान पूरी सतर्कता के साथ चलाया जा रहा है। इस दौरान नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा बल हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान से जुड़ी किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को समय पर सार्वजनिक किया जाएगा।

श्रीनगर के उपायुक्त जिले में राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 14 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर के उपायुक्त जिले में राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा करने के लिए डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में श्रीनगर के डिप्टी कमिश्नर अक्षय लबरू की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त आदिल फरीद एसडीएम पश्चिम इरफान बहादुर एसडीएम पूर्व जुबैर अहमद सहायक आयुक्त राजस्व उमर गुलजार और श्रीनगर जिले के सभी तहसीलदारों ने भाग लिया। संकल्पना में डीसी ने जिले के राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण में तहसीलवार प्रगति का जायजा लिया जिसका उद्देश्य भूमि अभिलेख प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। डीसी ने डेटा प्रविष्टि सत्यापन और अद्यतन प्रक्रियाओं सहित भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण की स्थिति का आकलन किया और डिजिटलीकरण प्रक्रिया को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सटीक और व्यापक डिजिटलीकरण से भूमि अभिलेखों में उल्लेखनीय सुधार होगा और राजस्व संबंधी सेवाओं को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। गुणवत्ता जांच के महत्व पर जोर देते हुए डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रक्रिया को गति देने और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए फील्ड अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय बनाए रखें। उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण सरकार की एक प्रमुख सुधार पहल है जिसका उद्देश्य नागरिकों को भूमि संबंधी जानकारी तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करना है।

आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण में जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान भल्ला ने बढ़ती जन-समर्थन की समस्या पर चिंता जताई

जम्मू, 14 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने मंगलवार को आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में अपना व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम जारी रखा। इस कार्यक्रम में निवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो मौजूदा प्रशासनिक और नागरिक स्थितियों से बढ़ती असंतुष्टि के बीच अपनी चिंताओं को व्यक्त करने की जनता की तत्परता को दर्शाती है। संपर्क के दौरान रमन भल्ला ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के लोग कई अनसुलझे मुद्दों से जूझ रहे हैं जिन्होंने सामूहिक रूप से उनके जीवन की गुणवत्ता को कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, आजीविका के घटते अवसर मुद्रास्फीति और बिगड़ती बुनियादी सेवाओं ने परिवारों पर विशेष रूप से ग्रामीण, सीमावर्ती और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, असहनीय बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तरदायी और जवाबदेह शासन के अभाव ने जनता के अलगाव और हताशा को और गहरा कर दिया है। बार-बार होने वाली अनियमित बिजली कटौती पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, भल्ला ने कहा कि मौजूदा भीषण ठंड के दौरान अनियमित बिजली आपूर्ति ने दैनिक जीवन को बेहद मुश्किल बना दिया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक बिजली गुल रहने के कारण परिवारों को बिना हीटिंग के कड़ाके की ठंड वाली रातें गुजारनी पड़ रही हैं।

बडगाम जिला प्रशासन वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के दूसरे चरण के जश्न की तैयारी में जुटा

श्रीनगर, 14 जनवरी (हि.स.)। बडगाम जिला प्रशासन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न धूमधाम और देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस संबंध में बडगाम के अतिरिक्त उपायुक्त मेराजुद्दीन शाह ने आज डीसी कार्यालय परिसर के शेख-उल-आलम हॉल में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें वार्षिक आयोजन के दूसरे चरण की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। संपर्क की शुरुआत में बडगाम के मुख्य योजना अधिकारी, जावेद अहमद नजार ने बैठक को आयोजन के उद्देश्यों, रूपरेखा और कार्यक्रमों की समय-सारणी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 में शुरू हुआ यह अभियान चार चरणों में कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि पहला चरण पहले ही पूरा हो चुका है जबकि दूसरा चरण 19 जनवरी 2026 से शुरू होगा। उन्होंने यह भी बताया कि दूसरे चरण में ध्वजारोहण, वंदे मातरम का पाठ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लघु फिल्मों का प्रदर्शन और जिले भर के सभी अधिकारियों और पदाधिकारियों की भागीदारी शामिल होगी। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव में निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, स्वतंत्रता संग्राम और वंदे मातरम पर प्रदर्शनियां, पुलिस बैंड की प्रस्तुतियां, भित्ति चित्र और दीवार चित्रकारी, स्वच्छता अभियान, युवा रैलियां, मिनी मैराथन और विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित वृत्तचित्रों का प्रदर्शन भी शामिल होगा।

जनता दरबार में जसरोटिया ने जनता की शिकायतों का किया समाधान -जी राम जी अधिनियम पर दिया स्पष्टीकरण कहा पारदर्शिता और जवाबदेही का मुख्य स्तंभ

कठुआ 14 जनवरी (हि.स.)। जसरोटिया ने कठुआ स्थित भाजपा कार्यालय में जन दरबार आयोजित किया, जनता की शिकायतों का समाधान किया और वीबी-जी राम जी अधिनियम पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि जी राम जी अधिनियम 2025 ग्रामीण जीवन स्तर को गरिमापूर्ण बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया ने लोगेट मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय में जन दरबार आयोजित किया, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के लोगों की शिकायतों एवं मुद्दों को सुना। इस पहल का उद्देश्य जनता तक सीधी पहुंच सुनिश्चित करना और निवासियों को अपने निर्वाचित प्रतिनिधि के समक्ष अपनी चिंताओं को रखने का मंच प्रदान करना था। इस संवाद के दौरान, राजीव जसरोटिया ने बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक देरी से संबंधित मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के समन्वय से समय पर समाधान का आश्वासन दिया। जन दरबार में भाजपा जिला अध्यक्ष कठुआ उपदेश अंडोत्रा, जिला महासचिव राजेश मेहता और गगन सिंह, जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा निगेश, साथ ही क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के कई प्रमुख प्रतिनिधि और निवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन विधायक द्वारा नियमित रूप से ऐसे जन संपर्क कार्यक्रमों को जारी रखने और जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र के समग्र विकास और कल्याण के लिए अथक प्रयास करने के आश्वासन के साथ हुआ।

इस अवसर पर राजीव जसरोटिया ने ऐतिहासिक वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 के विरुद्ध कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे नकारात्मक प्रचार का कड़ा खंडन करते हुए ऐसी आलोचना को राजनीतिक रूप से प्रेरित और जमीनी हकीकत से परे बताया।

कैथ बिरादरी के बुद्धिजीवी शिक्षा और खेल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एकजुट हुए

जम्मू, 14 जनवरी (हि.स.)। सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने और समाज के ताने-बाने को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में कैथ बिरादरी के बुद्धिजीवियों ने आर.एस.पुरा में एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में समुदाय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेलों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से युवा पीढ़ी के उत्थान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और इन्हें सर्वांगीण विकास और प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ बताया।

बैठक के दौरान बुद्धिजीवियों ने अभिभावकों को अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व के बारे में जागरूक करने का संकल्प लिया और इसे व्यक्तिगत सशक्तिकरण और सामुदायिक उन्नति का आधार बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिक्षा न केवल मन को प्रबुद्ध करती है बल्कि अवसरों के द्वार भी खोलती है जिससे युवाओं के समृद्ध भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए आर.एल.कैथ, रवि कैथ और ओम कैथ ने युवाओं को खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने खेलों में निहित शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क और अनुशासन के अनेक लाभों पर जोर दिया जो चरित्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

मां वैष्णो देवी भवन पर प्राकृतिक गुफा से दर्शन करने वाले भक्तों का इंतजार खत्म

कटड़ा, 14 जनवरी (हि.स.)। मां वैष्णो देवी भवन पर प्राकृतिक गुफा से दर्शन करने वाले भक्तों का इंतजार खत्म हो चुका है। क्योंकी मकर संक्राति के उपलक्ष पर श्राइन बोर्ड प्रशासन द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करते हु? प्राकृतिक गुफा के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। हालांकि वैष्णो देवी भवन पर प्राकृतिक गुफा के खुलने के कुछ समय के बीच ही पुरानी गुफा से दर्शनों की अनुमति दी गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को नई गुफा से ही दर्शनों की अनुमति दी जा रही है।

बताया जा रहा है कि वैष्णो देवी भवन पर श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी है जिसके चलते सभी भक्तों को प्राकृतिक गुफा से दर्शन का मौका मिलना संभव नहीं है। ऐसे में श्राइन बोर्ड प्रशासन ने फैसला लिया है कि जिस समय भवन पर श्रद्धालुओं की संख्या कम होगी उस समय ही श्रद्धालुओं को पुरानी गुफा से दर्शनों का मौका दिया जाएगा।

कैथ बिरादरी के बुद्धिजीवी शिक्षा और खेल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एकजुट हुए

जम्मू, 14 जनवरी (हि.स.)। सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने और समाज के ताने-बाने को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में कैथ बिरादरी के बुद्धिजीवियों ने आर.एस.पुरा में एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में समुदाय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेलों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से युवा पीढ़ी के उत्थान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और इन्हें सर्वांगीण विकास और प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। बैठक के दौरान बुद्धिजीवियों ने अभिभावकों को अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के महत्व के बारे में जागरूक करने का संकल्प लिया और इसे व्यक्तिगत सशक्तिकरण और सामुदायिक उन्नति का आधार बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिक्षा न केवल मन को प्रबुद्ध करती है बल्कि अवसरों के द्वार भी खोलती है जिससे युवाओं के समृद्ध भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए आर.एल.कैथ, रवि कैथ और ओम कैथ ने युवाओं को खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने खेलों में निहित शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क और अनुशासन के अनेक लाभों पर जोर दिया जो चरित्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :- 433_TELE_JAT_24_25_26 दिनाँक 11.01.2026

समापन तिथि/समय : 03.02.2026 15:00 बजे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी निविदा सूचना संख्या 433_TELE_JAT_24_25_26 समापन तिथि/समय 03.02.2026 15:00 बजे के विरुद्ध https://www.ireps.gov.in पर ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य
कार्य का नाम	जम्मू कटरा, बनिहाल और बड़गाम में पुराने तांबे (कॉपर) आधारित माध्यम को हटाकर उच्च गति वाले फाइबर-टू-द-होम (FTTH) ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क द्वारा रेलनेट (Railnet) सेवाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है

निविदा समापन तिथि समय	03.02.2026 15:00	निविदा अपलोड करने की तिथि समय	12.01.2026 20:35
विज्ञापित मूल्य (रु.)	39507063.37	आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि	20.01.2026
बयाना राशि	347500.00	पूरा होने की अवधि	4 महीने

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 135/26

अनंतनाग जिले में 19 से 26 जनवरी 2026 तक देशभक्तिपूर्ण गतिविधियों के साथ वंदे मातरम समारोह का द्वितीय चरण मनाया जाएगा

अनंतनाग, 14 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय पंचांग के अनुसार अनंतनाग जिले ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम समारोह के द्वितीय चरण को 19 से 26 जनवरी 2026 तक मनाने की तैयारी शुरू कर दी है जिसका समापन गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 को होगा। इस अवसर पर जिले भर में देशभक्तिपूर्ण और जीवंत कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। सप्ताह भर चलने वाले समारोहों की तैयारियों की समीक्षा और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए अनंतनाग के उपायुक्त एस एफ हामिद ने आज खानबल स्थित डाक बंगले में संबंधित अधिकारियों की एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम के ऐतिहासिक और प्रेरणादायक महत्व और मातृभूमि के प्रति एकता गौरव और समर्पण के इसके चिरस्थायी संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने जिले के सभी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर अभियान के द्वितीय चरण को सुचारू गरिमामय और प्रभावशाली ढंग से संचालित करने के लिए अनुशासित समन्वय और प्रभावी जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। यह बताया गया कि इस चरण के दौरान जिले में कई देशभक्तिपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी जिनमें तिरंगा रैलियाँ मशाल रिले राष्ट्रगान का सामूहिक गायन और राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मूल्यों की भावना को प्रतिबिंबित करने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम शामिल हैं। ये कार्यक्रम पूरे सप्ताह गति पकड़ेंगे और 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस-2026 के उत्सव के साथ समाप्त होंगे। ये कार्यक्रम उप-मंडलों तहसीलों कॉलेजों ब्लॉकों शहरी स्थानीय निकायों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में आयोजित किए जाएंगे जिनमें वरिष्ठ अधिकारियों कर्मचारियों छात्रों युवा स्वयंसेवकों और नागरिक समाज के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी होगी ताकि व्यापक जन जागरूकता और देशभक्तिपूर्ण समारोहों में उत्साही सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में एडीसी जीडीसी के प्रधानाचार्य एसडीएम एसीआर एसीडी डीएफओ सीएमओ डिप्टी सीईओ एसएसपी डीसीओ तहसीलदार बीडीओ समन्वयक एनएसएस और जीडीसी के एएनओ एनसीसी सीईओ एमसीए एमसी के ईओ जिला सचिव बीएस एंड जी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER MECHANICAL IRRIGATION CONST. DIVISION
KRISHNA NAGAR, JAMMU.
STANDARD BIDDING DOCUMENT
NOTICE INVITING e-TENDER

e-NIT NO. MICD/J/54 Dated:12/01/2026 Due on:19/01/2026

Executive Engineer, Mechanical Irrigation Construction Division Krishna Nagar, Jammu, on behalf of Lt. Governor of J&K UT, invites tenders by e-tendering mode from registered firms/ reputed workshop owners doing similar nature of works having valid PAN No. and GST No. for below mentioned work. The bidding process shall be completed online in two covers viz. Cover 'A' -Tender fee and Bid Security Declaration Form, fulfillment of prequalification criteria, technical specifications and acceptance to terms and conditions of the tender. Cover 'B' - Financial Bid in the prescribed BOQ.

S.no.	Name of Work	EMD	Performance Security	Cost of tender document	Period of completion	Validity of Rates
1	Restoration of Electro Mechanical Machinery of LIS ThangerChowdriala alongwith allied works	Rs 7500.00	3% of the contract value of LI	Rs.200.00	7Days	120 days

Key points of the tender:

1. Bidding documents can be seen at and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 12/01/2026 (05.00PM onwards).
2. The Bid shall be deposited on the web site http://www.jktenders.gov.infrom 12/01/2026 (05.00PM onwards) to 19/01/2026 (Upto 12.00PM).
3. The cover "A "containing Tender fee, Bid Security Declaration Form & prequalification/ technical bids shall be opened online on19/01/2026 (02.00PM) in the Office of the Executive Engineer Mechanical Irrigation Construction Division, Jammu. In case of holiday or if the office happens to be closed on the date of opening of Cover 'A' the same shall be opened on the next working day or any other convenient day.
4. Cover B containing the financial bids in the prescribed BOQ shall be opened after evaluation of the opened technical bids.
5. Bids must be accompanied with EMD that should be pledged in favour of Executive Engineer Mechanical Irrigation Construction Division Jammu in the form of CDR/FDR and shall have to be valid for 120 days along with scanned copy of the cost of tender document as mentioned in the e NIT (Notice Inviting Tender). The tender fee shall be in the form of treasury challan favouringExecutive Engineer, Mechanical Irrigation Construction Division, Jammu by crediting the requisite charge to MH: 0702 (Revenue). The firm claiming any discount/rebate shall attach the relevant supporting document/certificate to the effect. Moreover the original documents i.e. (EMD, tender fee and other documents) should be submitted by hand, post or courier to this office by L1 within 3 days after opening of financial cover.
6. The complete bidding process will be ONLINE.
7. Lowest bidder will submit the performance security in the shape of Bank Guarantee/CDR/FDR of any scheduled bank equal to 3% of the contract value in addition to the EMD amount along with Tender fee and other relevant documents after opening of financial bid online within 3 days. No separate intimation about opening of financial bids will be sent by this office.
8. The original documents submitted by the bidders should be the same as uploaded online (scanned copies).
9. The bids shall remain open for acceptance for a period of 120 days from the date of opening of bids. If any bidder/tenderer withdraws his bid/tender before the said period, makes any modification in the terms and conditions of the bid the earnest money shall stand forfeited.
10. All other terms and conditions can be downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in.
11. The bidder is advised to visit the site before quoting the rates. The bidder should be well versed with the site conditions, distance, head load and other related difficulties to be faced during execution of work.
12. Any disputed will be taken within the Jurisdiction of UT of J&K only.

No: MICD/J/1961-63 Dated:12-01-2026

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Construction
DivisionJammu

DIP/J-10155/25
Dtd: 14-1-2026

उपायुक्त ने नाबार्ड के तहत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

बारामूला, 14 जनवरी (हि.स.)। बारामूला के उपायुक्त मिंगा शेरपा ने आज कार्यालय कक्ष में आयोजित एक बैठक में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के तहत चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। संबंधित विभागों और कार्यकारी एजेंसियों द्वारा विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को उचित प्रलेखन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए परियोजना पूर्णता प्रमाण पत्र और विस्तृत परियोजना पूर्णता रिपोर्ट समय पर जमा करने का निर्देश दिया। समय-सीमा के पालन पर जोर देते हुए उपायुक्त ने कार्यकारी एजेंसियों को नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं विशेष रूप से जून और सितंबर 2026 तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निदेशक ने इंजीनियरों को आगामी नाबार्ड परियोजनाओं की तैयारियों में तेजी लाने का भी निर्देश दिया जिसमें सभी आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करना शामिल दिताकि नई परियोजनाओं को बिना किसी देरी के शुरू किया जा सके। निदेशक ने डीसी ने नाबार्ड परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी हितधारकों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया जो ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संपादकीय

आधुनिक खतरों के लिए नवाचार आवश्यक है

निस्संदेह, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर अपनी सैन्य श्रेष्ठता और प्रभुत्व सिद्ध किया। इस अभियान में उन रणनीतिक ठिकानों को ध्वस्त किया गया जो जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद को बढ़ावा देने में सहायक थे।

लेकिन इस सैन्य संघर्ष से देश ने यह भी सीखा कि आधुनिक युद्ध कई मायनों में बदल चुका है। पैदल सैनिकों और यहां तक कि पारंपरिक लड़ाकू विमानों की भूमिका भी पहले जैसी निर्णायक नहीं रह गई है। उनकी जगह उन्नत ड्रोन, मिसाइल प्रणालियाँ और मिसाइल व ड्रोन हमलों को रोकने वाली वायु रक्षा प्रणालियाँ प्रमुख हो गई हैं।

इन परिवर्तनों को देखते हुए यह अनिवार्य हो गया है कि भारत ऐसे रक्षा तंत्रों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में निवेश करे—जिसमें अत्याधुनिक आक्रमणकारी ड्रोन, घातक लड़ाकू विमान और अचूक वायु रक्षा प्रणालियों का अधिग्रहण शामिल है। भारतीय रक्षा बलों ने इस सैन्य संघर्ष के दौरान दुश्मन की ओर से दागे गए प्रक्षेपास्त्रों का मुकाबला करने में असाधारण वीरता और अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ घटनाएँ ऐसी भी रहीं जब कुछ दुश्मन ड्रोन किसी तरह रक्षा पंक्ति को पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गए।

अब नीति-निर्माताओं का उद्देश्य यह होना चाहिए कि रक्षा प्रणालियों को इस प्रकार उन्नत किया जाए कि एक भी दुश्मन ड्रोन उन्हें भेदकर भारतीय क्षेत्र में नुकसान न पहुँचा सके। इसके साथ ही, देश के लिए नवीनतम उन्नत ड्रोन तकनीक हासिल करना भी अत्यंत आवश्यक हो गया है, ताकि ऐसे आक्रमण-तैयार मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) विकसित किए जा सकें जो विरोधियों के रणनीतिक ठिकानों को नष्ट कर उन्हें असहाय और शक्तिहीन बना सकें।

यद्यपि भारत इस लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है, लेकिन विश्वभर में सैन्य संघर्षों के बदलते परिदृश्य को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि इन उद्देश्यों को बिना किसी देरी या शिथिलता के तेज़ गति से पूरा किया जाए।

बताया गया है कि उत्तरी कमान के सेना कमांडर ने ड्रोन निर्माण, रखरखाव और मरम्मत के लिए स्थापित विशेषज्ञता केंद्र का दौरा किया और परिचालन तत्परता तथा तकनीकी बढ़त बनाए रखने के उद्देश्य से विकसित सुविधाओं की समीक्षा की। यह अत्यंत आवश्यक है कि सेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएँ, क्योंकि आधुनिक युद्धक्षेत्र संचालन के लिए मानव रहित प्रणालियों की निरंतर सेवा-योग्यता सुनिश्चित करने वाला बुनियादी ढांचा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है।

अंततः, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के अनुभव से सबक लेते हुए यह स्पष्ट है कि भविष्य के युद्ध की उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च स्तर की उपकरण तत्परता और तैयारी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इसलिए, आने वाले समय में किसी भी रक्षा चुनौती का सामना करने के लिए उन्नत तकनीक और स्वदेशी विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग करते हुए पूर्ण युद्ध-तत्परता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अयोध्या श्री राम मंदिर- वैश्विक शांति और समृद्धि की नींव

-पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

22 जनवरी, 2024 को दुनिया भर के लाखों लोगों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया, जिसने भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण की शुरुआत की। श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या सिर्फ एक शहर से कहीं ज्यादा है; यह एक कालातीत, आध्यात्मिक गूंज है। यह श्री राम के धर्म, सत्य, बलिदान और आदर्श जीवन के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है। अयोध्या भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, शाश्वत भक्ति और भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए दुनिया में शांति लाने के मार्ग के रूप में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है, जबकि हाल ही में निर्मित राम मंदिर आध्यात्मिक चमक से जगमगा रहा है।

श्री राम मंदिर हिंदू दर्शन और संस्कृति की भव्यता को दर्शाता है। इसका विस्तृत डिज़ाइन, जो प्राचीन भारत की कलात्मक और स्थापत्य प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है, पारंपरिक भारतीय कौशल, ज्ञान और कारीगरी को प्रदर्शित करता है। अपनी शानदार वास्तुकला से परे, यह मंदिर हिंदू और वैश्विक संस्कृति में एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को पार करता है। यह दुनिया भर में हिंदू प्रवासियों के लिए उनकी वंशावली की याद दिलाता है और सांस्कृतिक गौरव का स्रोत है। दिन-ब-दिन अधिक तंत्रज्ञान से जुड़े हुए दुनिया में, यह एकता को बढ़ावा देता है और हिंदू धर्म के कालातीत सिद्धांतों को बनाए रखता है।

श्री राम की छवि अयोध्या या भारत तक सीमित नहीं है। उनकी आभा वास्तव में पूरी दुनिया में महसूस की जाती है। वह पूरी मानवता के प्रतीक हैं।

हिंदू धर्म के संदर्भ में, राम मंदिर का निर्माण लाखों लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। एक भौतिक इमारत होने के अलावा भगवान राम को समर्पित यह मंदिर आध्यात्मिक पुनर्जन्म, सांस्कृतिक संरक्षण और उन सिद्धांतों का प्रतीक है जो दुनिया भर में हिंदुओं और मानवता में विश्वास रखने वालों के दिलों में गहराई से अंकित हैं। राम मंदिर की कहानी हिंदू धर्म के लोकाचार के साथ एक गहरा संबंध बनाती है, जो एक पवित्र स्थान पर ईश्वर की वापसी की साझा इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है।

हिंदुओं के लिए, राम मंदिर उनकी प्राचीन विरासत की एक भौतिक याद दिलाता है और संस्कृति की शाश्वत जीवन शक्ति का प्रतीक है। नतीजतन, यह मंदिर हमारे समाज के मूलभूत सिद्धांतों और राम के उन गुणों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें सभी लोग प्रशंसनीय पाते हैं। इस 7वें या वैवस्वत मन्वंतर में 28वें द्वापर के खत्म होने और कलियुग की शुरुआत को पांचवीं सहस्राब्दी ईसा पूर्व में भगवान कृष्ण की मृत्यु के बाद रामराज्य की प्रतीकात्मक स्थापना से चिह्नित किया गया था।

राम शब्द सिर्फ एक प्राचीन सभ्यता से कहीं ज्यादा है जो आज तक मौजूद है, यानी भारत। यह नाम एक पहचान और एक मूल्य का प्रतीक है जो व्यवहार और जीवंतता में सभी ऐतिहासिक युगों से परे है। भारत के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के साथ-साथ देश के पश्चिम और पूर्व के लोककथाएँ लोगों के दिलों में ज़िंदा हैं।

राम एक ऐसा नाम है जिसकी भारत के हर कोने में बच्चे छोटी उम्र से ही गुणगान करते हैं। उनकी पौराणिक जीवन कहानियाँ भारत की सीमाओं से परे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैल गई हैं, जहाँ रामायण को आज भी थिएटर, संगीत, नृत्य, चित्रकला और मूर्तिकला में रचनात्मक रूप से दिखाया जाता है।

संस्कृत में वाल्मीकि रामायण, हिंदी में तुलसीदास की रामचरितमानस, तमिल में कंबन की रामावतारम और श्री राम के महाकाव्य की कई और क्षेत्रीय कहानियाँ हज़ारों सालों से पूरे भारत में गूंज रही हैं। यह आम कहानी जो भाषाओं और रीति-रिवाजों से परे है, भारत को एकजुट करने वाले कारक के रूप में उनके कार्य को उजागर करती है।

भारत से परे, रामायण का पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया पर प्रभाव है; म्यांमार और लाओस की कला, थाईलैंड की रामाकियन, कंबोडिया की रीमकर और इंडोनेशिया की काकाविन रामायण सभी यह दर्शाते हैं कि राम के सिद्धांत विश्व सांस्कृतिक परंपराओं में कितने गहरे बसे हुए हैं। राम के सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से आकर्षक हैं जैसा कि अंकोर वाट के शानदार स्मारकों और जावा की छाया कठपुतलियों से देखा जा सकता है।

श्री राम को समर्पित इस शानदार मंदिर को भारत की सॉफ्ट पावर के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के रूप में देखा जा सकता है। राम मंदिर का महत्व स्थानीय सीमाओं से परे वैश्विक क्षेत्र तक फैला हुआ है। यह मंदिर प्रेम, विश्वास, अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे और मानवता के सभी सकारात्मक पहलुओं का प्रतीक बन जाएगा जो दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजते हैं क्योंकि राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कहानियों को फिर से परिभाषित करते हैं। भारतीय संस्कृति की मूलभूत समावेशिता निःस्संदेह एक अधिक सहायक माहौल प्रदान करेगी। इतिहास की उथल-पुथल के बावजूद, अयोध्या की भावना बनी रही, राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए और दुनिया भर में गूंजती रही। भारत से परे, भगवान राम को नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया और अन्य देशों में पूजा जाता है। हजारों सालों से, भारत की संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक आदर्श पूरे दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के साथ साझा किए गए हैं। ये विशेषताएं, साथ ही क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता, राम मंदिर द्वारा फिर से परिभाषित की जा सकती हैं।

भारतीय सभ्यता के मौलिक गुण, समावेशिता और स्वीकृति, ने ऐतिहासिक रूप से दुनिया भर के विभिन्न देशों, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच राजनीतिक खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे भारत एक पूरी तरह से अलग राष्ट्र बन गया है जहां धार्मिक बहुलवाद की गारंटी है और उसे प्रोत्साहित किया जाता है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर सदियों के लचीलेपन और भारतीय संस्कृति का उत्सव मनाता है, न कि सिर्फ विनाश की याद दिलाता है। रामलला के दर्शन का उद्देश्य हमारे समाज के मौलिक सिद्धांतों और मूल्यों को बनाए रखना, उनके महत्व पर जोर देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन सिद्धांतों की एक स्थायी याद दिलाना है।भगवान श्री राम आदर्श मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, जो आध्यात्मिक गहराई और मार्शल वीरता का सामंजस्यपूर्ण संयोजन हैं, जो भारतीय लोकाचार की जीवंत ऊर्जा में ऊंचे खड़े हैं और भारतीय समाज, साहित्य, संगीत और गीतों में कल्पना किए गए आदर्श पुरुष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राम मंदिर के निर्माण से भारत में समावेश के एक नए युग की शुरुआत हुई है। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को इस जगह पर इकट्ठा होने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिसे साझा विरासत के प्रतीक में बदल दिया गया है।

राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह उन सामान्य आदर्शों की मार्मिक याद दिलाता है जो भारत के लोगों को एक साथ बांधते हैं। मंदिर की भव्यता श्री राम के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ-साथ पिछली कड़वाहट को पीछे छोड़कर एक समृद्ध भविष्य को अपनाने के साझा संकल्प को दर्शाती है।

अगर श्री राम को एक बेंचमार्क माना जाता है तो इसलिए नहीं कि वह सिर्फ एक दिव्य शक्ति हैं; बल्कि, इसलिए कि उन्होंने मानवीय क्षमता और दृढ़ता की उस हद को दिखाया जो चमत्कार और अजूबे पैदा कर सकती है। जन्म से इंसान होने के बावजूद, उन्हें बचपन से ही शांति और सुकून के कारण दिव्य शक्ति के रूप में पूजा जाता है। अपनी मजबूत हिंदू जड़ों के बावजूद, श्री राम मंदिर की कहानी में एक सार्वभौमिक सबक है।

भगवान राम का जीवन निष्पक्षता, कर्तव्य और सद्भाव का एक उदाहरण है- ऐसे मूल्य जो सभी संस्कृतियों और धर्मों से परे हैं। नतीजतन, यह मंदिर हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान होने के साथ-साथ उन आदर्शों का प्रतीक भी है जो दुनिया भर के सभी लोगों को ऊपर उठाते हैं।

यह विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को धर्म के सिद्धांतों पर विचार करने और न्याय, करुणा और ईमानदारी से भरे जीवन के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक स्व मानसिकता, जिसमें राष्ट्र और भारतीय संस्कृति पहले का रवैया शामिल है, उसने उपनिवेशवाद की जगह हर भारतीय की प्रमुख मानसिकता बन गयी है। यह हमारे राष्ट्र और समाज को जीवन के हर पहलू में विकास के लिए तैयार करेगा। श्री राम सिर्फ एक नाम और एक आकृति से कहीं ज्यादा हैं। वह प्रेरणा का एक कालातीत स्रोत हैं जिसने इस पवित्र सभ्यता को पोषित किया है और इसमें समाया हुआ है। हाल के दशकों में हमारे राष्ट्र को अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी प्राचीन जड़ों को स्वीकार करते हुए देखना उत्साहजनक है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाते हुए, आइए हम घोषणा करें कि जहाँ जड़ें गहरी होती हैं, वहाँ जीत निश्चित होती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नहीं थम रहा बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या का दौर

-रमेश शर्मा

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों और उनकी बर्बर हत्याओं का दौर रुक नहीं रहा। इसमें हिन्दु स्त्रियों के साथ सामूहिक बलात्कार का अध्याय भी जुड़ गया है। लेकिन भारत के अधिकांश वे राजनैतिक दल चुप हैं जिन्हें आतंकवादियों के भी मानवाधिकार की चिंता रहती है। पिछले सप्ताह काँग्रेस नेता जयराम रमेश और के वेणुगोपाल तो मीडिया से बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का प्रश्न सुनकर ही भाग निकले।

यह वही बंगलादेश है जिसके निवासियों को कभी अपनी बांग्ला संस्कृति पर गर्व होता था और बांग्ला संस्कृति को सुरक्षित रखने केलिये संघर्ष किया था। उनके संघर्ष को सार्थक करने के लिये भारत ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी। 1971 का युद्ध भी झेला था। इसमें भारत के लगभग 3900 जवानों का बलिदान हुआ था और लगभग दस हजार सैनिक घायल हुए थे। लाखों करोड़ का वित्तीय भार पड़ा सो अलग। बंगलादेश यदि अस्तित्व में आया है तो भारत के कारण लेकिनवही बंगलादेश अब भारत के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहा है और हिन्दुओं का जीना मुश्किल कर रहा है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को डेढ़ साल होने आ गया है। सत्ता परिवर्तन के साथ हिन्दुओं पर हमले आरंभ हुये जो रुकने का नाम नहीं ले रहे बल्कि हमलों की क्रूरता बढ़ रही है। बांग्लादेश अब जिस राह पर है, उसमें तीन बातें बहुत स्पष्ट हैं। एक पाकिस्तान के प्रति प्रेम और एकजुटता, दूसरी भारत के प्रति घृणा और तीसरी हिन्दुओं की हत्याएँ। तीनों प्राथमिकताएँ पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई और कट्टरपंथी संगठन जमायत-ए- इस्लामी की हैं। जमायत-ए-इस्लामी अपनी कट्टरता के लिये पूरी दुनिया में कुख्यात है। कई देशों ने तो इस पर प्रतिबंध लगा रखा है। जबकि पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई को आतंकवाद की संरक्षक माना जाता है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता परिवर्तन इन दोनों संस्थाओं की रणनीति थी। कहने के लिये वह छात्र आँदोलन था लेकिन परदे के पीछे यही दोनों संगठन थे। अब बंगलादेश में आईएसआई का कार्यालय खुल गया है। जमायत-ए-इस्लामी खुलकर चुनाव में भाग ले रही है। यह जमायत-ए- इस्लामी वही संस्था है जिसने 1971 में शेख मुजीबुरहमान के नेतृत्व चल रहे बांग्लादेश आंदोलन का विरोध किया था। जमायत-ए-इस्लामी पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बनाने के पक्ष में कतई नहीं थी। यह आईएसआई और जमायत-ए-इस्लामी की सक्रियता ही है कि अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच आने-जाने के लिये वीजा के कई प्रावधान सरल कर दिये गये हैं।

बांग्लादेश में अब भारत को खुलेआम धमकियाँ भी दी जाने लगीं हैं। बांग्लादेश नेशनल सिटीजन पार्टी के प्रमुख हसनत अब्दुल्लाह ने तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है, को भारत से तोड़ने की धमकी भी दी है। इन रायों में अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड और त्रिपुरा माने जाते हैं। बांग्लादेश के एक अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी अब्दुल रहमान ने भी भारत के टुकड़े करने की धमकी दी है। इन धमकियों को साधारण नहीं समझा जा सकता। जिस प्रकार कट्टरपंथियों के स्लिपर सेल भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं उससे हसनत अब्दुल्लाह और अब्दुल रहमान की धमकियों को हल्का नहीं लिया जा सकता। तीसरे, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं के बढ़ते आँकड़े हैं। हमलों और हत्याओं के आँकड़े बढ़ने के साथ उनमें क्रूरता भी बढ़ रही है। हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं का यह क्रम सत्ता परिवर्तन के पहले दिन से ही आरंभ हो गया था।

बांग्लादेश में ऐसा कोई गाँव नहीं जहाँ हिन्दुओं के घरों पर हमला न हुआ हो। बांग्लादेश सरकार ने अब ऐसे समाचारों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। समाचार पत्र ही नहीं वे सोशल मीडिया एकाउंट भी लॉक किये जा रहे हैं जो हिन्दुओं पर हमले और उत्पीड़न के समाचार प्रसारित कर रहे हैं। फिर भी चोरी-छिपे जो समाचार आ रहे हैं वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं।

हिन्दुओं पर अत्याचार के लिये कट्टरपंथी नित नया पैंतरा अपना रहे हैं। सत्ता परिवर्तन के साथ घरों और मंदिरों पर हमले, चाकू या गोली मारकर हत्या का क्रम अब क्रूरता के साथ हत्या और जिन्दा जलाने की घटनाओं में बदल गया है। यह क्रूरता लगभग वैसी ही है जैसी सल्तनतकाल में हुआ करती थी। तब उसका उद्देश्य क्रूरता से हत्या करके हिन्दुओं को डराना था ताकि क्रूरता पूर्वक हत्याओं का यह दृश्य देखकर भयभीत हिन्दु धर्मांतरण कर लें। पिछले चौबीस दिनों में आठ हिन्दुओं की क्रूरता पूर्वक की गई हत्याओं में बर्बरता की वही झलक है। इन हत्याओं के अतिरिक्त एक हिन्दू स्त्री से बलात्कार और एक हिन्दू महिला अधिकारी को गालियाँ देकर जान से मारने की धमकी देने की घटना भी सामने आई है। इन बड़ी घटनाओं के अतिरिक्त बारह गाँवों में हिन्दुओं के घरों पर हमला करने के समाचार भी आये।

हत्याओं और हिन्दुओं के उत्पीड़न का यह नया दौर कट्टरपंथी उस्मान हादी की हत्या के बाद पुनः आरंभ हुआ। उस्मान हादी पर 12 दिसंबर 2025 को दो बाइक सवार हमलावरों ने ढाका के बिजयनगर क्षेत्र में किया था। उसे गोली मारी गई थी। उसे उपचार के लिये सिंगापुर ले जाया गया। जहाँ 18 दिसम्बर को उसकी मौत हो गई। हादी की मौत से हिन्दुओं का कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन उसकी मौत को बहाना बनाकर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिन्दुओं के घर, व्यवसायिक प्रतिष्ठान ही नहीं हिन्दुओं के संपादन में चल रहे समाचारपत्र कार्यालयों और सॉंस्कृतिक संस्थानों पर भी हमले हुये। इनमें 'प्रोथोम आलो'और 'डेली स्टार' समाचार पत्र और छायानात और उदिची शिल्पी जैसे सॉंस्कृतिक संस्थाओं के कार्यालय शामिल हैं।

जिस दिन हादी की मौत हुई उसी दिन 18 दिसम्बर को दीपू चंद्र दास नामक हिन्दु की क्रूरतापूर्वक हत्या की गई। दीपूदास की हत्या सीधे चाकू मारकर अथवा गोली मारकर नहीं की गई। पहले सारे कपड़े उतारे गये, फिर पीटा गया। अधमरा करके पेड़ से बांधकर जिन्दा जलाया था। कट्टरपंथियों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया ताकि हिन्दुओं में भय व्याप्त हो। दूसरी हत्या 24 दिसंबर की रात को राजबाड़ी जिले के पांगशा में अमृत मंडल की गई। उस पर ईशनिंदा का आरोप लगाया और हिंसक भीड़ ने पीट-पीट कर अधमरा कर दिया था। पुलिस अमृत मंडल को गंभीर अवस्था में पंगसा उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गई। रात करीब 2 बजे मंडल का निधन हो गया। तीसरी हत्या 30 दिसंबर को ब्रजेन्द्र विश्वास की हुई। ब्रजेन्द्र को उसी स्थान पर ले जाया गया जहाँ दीपू दास की हत्या की गई थी। बृजेंद्र बिस्वास को गोली मारकर हत्या करने वाला उसी का साथी नौमान मियां था। चौथी हत्या 31 दिसम्बर को हिंदू बिजनेसमैन खोकन चंद्र दास की हुई। यह हत्या शरियतपुर जिले के दामुड्या के कोनेश्वर यूनियन में केउरभंगा बाजार के पास हुई थी। वह रात लगभग 9:30 बजे अपनी फार्मेसी की दुकान बंद करके लौट रहा था तभी कट्टरपंथियों ने उसे रोका। पहले मारपीट की फिर शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खोकन दास स्वयं को बचाने के लिये वहीं सड़क के किनारे तालाब में कूदा। आग देखकर और चीखें सुनकर भीड़ एकत्र हुई। दास को अस्पताल ले जाया गया जहाँ दास की मृत्यु हो गई। पाँचवीं हत्या पत्रकार राणा प्रताप वैरागी की हुई। यह हत्या जेस्सोर जिले के मोनिरामपुर में सोमवार 5 जनवरी को की गई। कट्टरपंथियों ने राणा प्रताप को आवाज लगाकर रोका और भरी दोपहर सरेआम गोली मार दी। छठी हत्या इसी दिन व्यवसायी मणि चक्रवर्ती की हुई। वे मणि चक्रवर्ती से पैसा वसूलना चाहते थे। इसी बीच 11 जनवरी को हिन्दू नेता और संगीतकार प्रोलय चाकी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई है। वे बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी के सीनियर नेता थे। आठवीं मौत समीर की हुई। समीर रामानंदपुर गांव का रहने वाला था और रिक्शा चलाता था। रात लगभग दो बजे दक्षिण करीमपुर मुहुरी बाड़ी के पास समीर की लहूलुहान लाश मिली।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के दमन को रोज नया तरीका अपनाया जा रहा है। एक हिन्दू महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और एक हिन्दू महिला अधिकारी को धमकी देने की घटना सामने है। हिंदू महिला के साथ बलात्कार की यह घटना झेनैदाह जिले के कालिगंज में नादिपारा क्षेत्र की है। चालीस वर्षीय हिंदू विधवा महिला के साथ पहले दो लोगों ने बीच सड़क पर बलात्कार किया, फिर पेड़ से बांधकर उसके बाल काट दिए। कट्टरपंथियों ने इस घटना का भी वीडियो बनाकर वायरल किया।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी प्रशासन के हिन्दू कर्मचारियों और अधिकारियों को भी धमका रहे हैं। बांग्लादेश में इन दिनों चुनाव प्रक्रिया चल रही है। फरवरी में चुनाव होना है। कुरिग्राम-3 निर्वाचन क्षेत्र से जमायते इस्लामी के उम्मीदवार बैरिस्टर सालेही ने चुनाव लड़ने के लिये अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। सालेही बांग्लादेश के साथ ब्रिटेन के भी नागरिक हैं। दोहरी नागरिकता के आधार पर उनका नामांकन निरस्त हो गया। इस जिले में हिन्दू महिला अधिकारी अन्नपूर्णा देबनाथ डिप्टी कमिश्नर के रूप में तैनात हैं। अपना नामांकन निरस्त होने पर सालेही ने अन्नपूर्णा देवनाथ दबाव बनाया। जब अन्नपूर्णा देवनाथ ने नियमों का उल्लेख किया था। वहाँ उपस्थित सालेही समर्थकों ने उनके साथ भारी अभद्रता की, हिन्दू होने के कारण गालियाँ दीं और जान से मारने की धमकी दी। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है।

भारत में बड़ी संख्या में ऐसे राजनैतिक दल और नेता हैं जो मानवाधिकार के लिये सदैव सचेत रहते हैं। वे आतंकवादियों और दंगाइयों के भीतर भी मानवीय अस्तित्व खोजकर उसके संरक्षण की बात करते हैं। भारत में ही नहीं सुदूर हमास के आतंकवादियों के प्रति भी मानवीय आधार पर संवेदना व्यक्त की जाती है। लेकिन हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार और दमन पर सदैव चुप्पी रहती है। ऐसी चुप्पी पहले कश्मीर में देखी गई, मुर्शिदाबाद में देखी गई और अब बांग्लादेश में भी देखी जा रही है। यही नहीं मीडिया से बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार का हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार का प्रश्न सुनकर काँग्रेस के दो नेताओं द्वारा मुँह छिपाकर भागने का यह दृश्य पिछले दिनों वायरल हुआ।

मकर संक्रांति: सृष्टि में ऊर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व

मृत्युंजय दीक्षित

शीत ऋतु के मध्य जब सूर्यदेव धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उनकी उत्तरायण गति प्रारम्भ होती है, तब मकर संक्रांति होती है। यह पर्व सृष्टि में उर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व है। मकर संक्रांति के दिन जप, तप, दान, स्नान, श्रद्धा, तर्पण आदि धार्मिक विधि विधान व कर्मों का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन दिया गया दान सौ गुना बढ़कर प्राप्त होता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, गौ, स्वर्ण, ऊनी, वस्त्र, कम्बल आदि दान के साथ गंगा स्नान एवं गंगातट पर दान का विशेष महत्व है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है।

संक्रांति से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं।

इस पर्व का का सम्बन्ध हमारे पौराणिक इतिहास से भी है। इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। महाभारत काल में इसी दिन भीष्म पितामह ने अपनी देह का त्याग किया था। आज ही के दिन गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी और यही कारण है कि इस पर्व को बुराइयों और नकारात्मकता समाप्त करने का पर्व कहा जाता है।

वैज्ञानिक मान्यता है कि इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सूर्य का ताप बढ़ने लगता है। दिन बड़ा होने से प्रकाश का वातावरण अधिक होता है अतः सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना गया है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चैतन्यता एवं कार्यशक्ति में वृद्धि होती हैं।

इस अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सूर्य देव की उपासना, आराधना एवं पूजन करने का विधि-विधान है।

हरियाणा और पंजाब में यह पर्व लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल गुड़ चावल और भुने हुए मुक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिल चौली कहा जाता है। इस दिन पारम्परिक मक्के की रोटी व सरसों के साग का आनंद भी उठाया जाता है।

उत्तर प्रदेश में यह पर्व दान का पर्व है। तीर्थराज प्रयाग में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर विशाल मेला लगता है, जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है।उसी दिन से मांगलिक कार्यों भी आरम्भ हो जाते है। माघ मेला स्नान पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक चलता है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर में विशाल मेला लगता है जो खिचड़ी मेले के नाम से प्रसिद्ध है।

इस अवसर पर नेपाल के राज परिवार की ओर से गोरक्षनाथ को प्रथम खिचड़ी अर्पित होती है। राज्य की सभी नदियों के तट पर स्नान तथा व दान पर्व होता है। इस दिन दान के उपरांत खिचड़ी खाने एवं खिलाने का बड़ा महत्व है।

तमिलनाडु में इस पर्व को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है। जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्यदेव को भोग लगाया जाता है। कर्नाटक, केरल व आंध्रप्रदेश में इसे संक्रांति ही कहते हैं। बिहार में भी इस पर्व को खिचड़ी नाम से ही जाना जाता हैं। महाराष्ट्र में भी यह पर्व बड़े धूमधाम व उमंग के साथ मनाया जाता है यहाँ इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़ एवं रोली और हल्दी बांटती है।

वहीं, बगाल में इस पर्व पर तिल दान करने की प्रथा है। यहां गंगासागर में प्रतिवर्ष विशाल मेला लगता है। असम में मकर संक्रांति को माघ बिहु अथवा भोगाली बिहू के नाम से मनाया जाता हैं। गुजरात में मकरसंक्रांति पर दान स्नान के साथ साथ पतंग उड़ाने का भी प्रचलन है जिसमें भारी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक तथा बड़ी-बड़ी हस्तियां हिस्सा लेती हैं।

मकर सक्रांति का पर्व पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ने वाला उत्साह, उमंग और उल्लास का पर्व है। यह समाज को सकारात्मक विचार प्रदान करने वाला पर्व है। सामाजिक एकीकरण का पर्व है। हिन्दुओं की साझी परंपरा का पर्व है।

हमें इस आध्यात्मिक ऊर्जा से भरे पर्व की राष्ट्रीय सार्थकता को समझते हुए इसके मूल स्वरूप को बचाए रखने का प्रण लेकर इसे उपभोक्तावाद से संरक्षित करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने माइकल कैरिक को सीजन के अंत तक हेड कोच नियुक्त किया

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पूर्व खिलाड़ी माइकल कैरिक को मौजूदा सत्र के अंत तक टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। इससे पहले कैरिक 2021 में ओल्ड ट्रैफर्ड में केयरटेकर मैनेजर के रूप में तीन मैचों तक अपराजित रहे थे। 44 वर्षीय कैरिक ने अपने खिलाड़ी करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 464 मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने पांच प्रीमियर लीग खिताब, एक एफए कप, दो लीग कप, यूईएफए चैंपियंस लीग, यूईएफए यूरोपा लीग और फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीता। कैरिक की पिछली कोचिंग भूमिका चैंपियनशिप क्लब मिडिल्सब्रो के साथ थी, जहां उन्हें अक्टूबर 2022 में नियुक्त किया गया था। अपने पहले सीजन में उन्होंने मिडिल्सब्रो को चैंपियनशिप प्ले-ऑफ तक पहुंचाया, लेकिन दूसरे सीजन में टीम के 10वें स्थान पर रहने के बाद जून में उन्हें पद से हटा दिया गया।यूनाइटेड ने इससे पहले पूर्व खिलाड़ी और मैनेजर ओले गुन्नार सोल्स्कजायर से भी संभावित वापसी को लेकर बातचीत की थी। क्लब की आधिकारिक वेबसाइट से बातचीत में कैरिक ने कहा, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड की जिम्मेदारी संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं जानता हूं कि यहां सफलता के लिए क्या चाहिए। मेरा पूरा ध्यान खिलाड़ियों को उन मानकों तक पहुंचाने पर है, जिनकी इस महान क्लब में उम्मीद की जाती है।

डब्ल्यूपीएल 2026 : हरमनप्रीत और कैरी की शानदार पारियों से मुंबई इंडियंस की गुजरात जायंट्स पर दमदार जीत

नवी मुंबई। कप्तान हरमनप्रीत कौर की बेहतरीन पारी, अमनजोत कौर के अहम योगदान और अंत में निकोला कैरी की ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के छठे मुकाबले में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हराकर सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। 193 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया। हरमनप्रीत ने विजयी चौका लगाकर मैच का अंत किया और अमनजोत व हरमनप्रीत – दोनों 'कौर' ने मजबूत बल्लेबाजी का नेतृत्व किया। इससे पहले, हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात जायंट्स ने बल्लेबाजी करते हुए तेज शुरुआत की और पावर-प्ले में 01 विकेट पर 62 रन बना लिए। बेथ मूनी को पहले ओवर में शबनिम इस्माइल की गेंद पर शून्य पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। सोफी डिवाइन जल्दी आउट हो गईं, लेकिन नंबर तीन पर आई कनिका आहूजा ने आक्रामक अंदाज में रन बनाए। पावर-प्ले के बाद अमेलिया केर ने मूनी (33) को आउट कर मुंबई को राहत दिलाई। एशली गार्डनर ने 11 गेंदों में 20 रन जोड़े, जबकि कनिका आहूजा ने 18 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। मध्य ओवरों में मुंबई की गेंदबाजी ने रनों की रफ्तार पर कुछ हद तक लगाम लगाई।

एशियन गेम्स से पहले कराटे में भारत की तैयारी मजबूत, अलीशा के कांस्य ने बढ़ाया भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय कराटे के लिए यह साल ऐतिहासिक साबित हो रहा है। जॉर्जिया के त्बिलिसी में आयोजित डब्ल्यूकेएफ सीरीज ए कराटे चैंपियनशिप में अलीशा सुबुधि द्वारा जीता गया कांस्य पदक इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यदि गैर-मुख्यधारा खेलों को निरंतर और संरचित सहयोग मिले, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़े नतीजे सामने आ सकते हैं। यह सफलता भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) योजना के प्रभाव को भी रेखांकित करती है। टीएजीजी योजना के अंतर्गत सहयोग प्राप्त कर रहीं अलीशा सुबुधि कराटे 1 - सीरीज ए प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में क्रोएशिया की प्रतिद्वंद्वी को 8-0 से पराजित किया। यह उपलब्धि साई द्वारा तैयार किए गए मजबूत हाई-परफॉर्मेंस इकोसिस्टम का नतीजा है, जिसमें लक्षित वित्तीय सहायता, शीर्ष स्तरीय कोचिंग और गहन राष्ट्रीय शिविरों की अहम भूमिका रही।

भारत में कोचिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए एकीकृत ढांचे पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट सौंपे जाने का ऐलान

नई दिल्ली। भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने और विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खेल विभाग द्वारा गठित टास्क फोर्स ने देश की कोचिंग व्यवस्था पर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। इस टास्क फोर्स का नेतृत्व भारतीय बैडमिंटन के राष्ट्रीय मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने किया। रिपोर्ट में कोच शिक्षा और प्रशिक्षण से जुड़े अहम पहलुओं–जैसे प्रशिक्षकों की गुणवत्ता व उपलब्धता, कोचिंग शिक्षा में अकादमिक सुधार और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के उपाय–पर विस्तार से अध्ययन किया गया है। टास्क फोर्स ने देशभर में खेल प्रशिक्षकों के विकास, मान्यता और पेशेवरकरण के लिए एक समग्र राष्ट्रीय ढांचा प्रस्तुत किया है। रिपोर्ट में नेशनल कोच एक्रिडिटेशन बोर्ड (एनसीएबी) की स्थापना का सुझाव दिया गया है, जो कोच शिक्षा, मान्यता और प्रशासन के लिए शीर्ष राष्ट्रीय संस्था के रूप में कार्य करेगा। यह बोर्ड राष्ट्रीय मानक तय करने, कोचिंग पाथवे को मंजूरी देने, संस्थानों को मान्यता प्रदान करने और सभी खेलों व क्षेत्रों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा।

कंधे की चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से हटे कॉककिनाकिस

एजेंसी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस ने बुधवार को दाहिने कंधे में चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया, जिससे उनके विरोधी वैलेंटीन वैचेरोट को वॉकओवर मिल गया। नतीजतन, 2025 शंघाई चैंपियन वैचेरोट क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। यह मोनेगास्क खिलाड़ी अब या तो टॉप सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा का सामना करेंगे।

डेविडोविच फोकिना बुधवार शाम को सेंटर कोर्ट पर हिजिकाटा से खेलेंगे। कोकिनाकिस ने सोमवार शाम एकल मुकाबलों में लंबे इंतजार के बाद दमदार वापसी की। पेक्टोरल मांसपेशी की पुरानी समस्या के चलते सर्जरी कराने के बाद वह करीब 12 महीनों से टेनिस से दूर थे। घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी को मैच के दौरान कंधे की चोट ने फिर परेशान किया,

लेकिन दर्द को दरकिनार करते हुए उन्होंने एडिलेड इंटरनेशनल में लगभग एक साल बाद अपने पहले एकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछले साल 15 जनवरी के बाद अपने पहले सिंगल्स मैच में, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दर्द के बावजूद अपना वापसी मैच पूरा किया। फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया, लेकिन पूरे मैच के दौरान उन्हें अपने दाहिने कंधे में साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। कोकिनाकिस ने अपने मैच के बाद कहा, 'यह मुश्किल है। जाहिर है, सर्व करने की वजह से मेरे दाहिने हाथ ने मेरे पूरे करियर में मुझे परेशान किया है। बहुत सारे 'अगर ऐसा होता तो क्या होता' वाले सवाल हैं, खासकर मेरे दिमाग में, अगर मुझे इससे परेशानी नहीं होती। मुझे पता है कि छोटी-मोटी चोटें यहां-वहां सामान्य हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जिस दौर से गुजरा हूं, वह थोड़ा असामान्य है। ' उन्होंने आगे कहा, 'यह मानसिक रूप से मुश्किल है। मैंने पूरा साल रिहैब में बिताया, इसे ठीक करने की कोशिश की। मेरी सर्जरी हुई थी। यह पिछले साल के दर्द से थोड़ा अलग था। मैं देखूंगा कि कल सुबह कैसा महसूस करता हूं। लेकिन, हां, यह मुश्किल है। यह निश्चित रूप से जीत का मजा किरकिरा कर देता है। पिछले फरवरी में, कोकिनाकिस के दाहिने पेक्टोरल मांसपेशी और कंधे की सर्जरी हुई थी। इसके बाद उन्होंने, पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल में निक किर्गियोस के साथ डबल्स में वापसी की, लेकिन अपने गृहनगर में सेंटर कोर्ट पर कदम रखने पर सिंगल्स में वापसी के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई। कोकिनाकिस के पास एक प्रोटेक्टेड रैंकिंग है जो उन्हें 18 जनवरी से ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स में भाग लेने की अनुमति देती है और वह किर्गियोस के साथ डबल्स में भी खेलने वाले हैं। हालांकि, सीजन के पहले बड़े टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी अब गंभीर संदेह में है।

डॉ. उपेन्द्र सिंह तोमर हॉकी पुरुष चैंपियनशिप के पर्यवेक्षक नियुक्त

झांसी। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के मेजर ध्यान चंद शारीरिक शिक्षण संस्थान में कार्यरत सह आचार्य डॉ. उपेन्द्र सिंह तोमर को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी पुरुष चैंपियनशिप का पर्यवेक्षक नामित किया है। उक्त प्रतियोगिता 12 जनवरी से 17 जनवरी 2026 तक लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि डॉ. उपेन्द्र सिंह तोमर राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबाल खिलाड़ी हैं तथा मध्य प्रदेश शासन द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किये गये हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे, रजिस्ट्रार ज्ञानेंद्र कुमार शुक्ला, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा शारीरिक शिक्षण संस्थान के संकाय सदस्यों ने डॉ. तोमर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति विश्वविद्यालय के खेल एवं शैक्षणिक नेतृत्व की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

अंडर-19 विश्व कप: 15 जनवरी से शुरू हो रहा मेगा इवेंट, देखें भारतीय टीम का शेड्यूल

एजेंसी

नई दिल्ली । अंडर-19 विश्व कप की शुरुआत 15 जनवरी से हो रही है। विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी तक संयुक्त रूप से जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4-4 के ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम यूएसए, बांग्लादेश, और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप ए में है। आइए जानते हैं कि भारतीय टीम के मैच कब और कहां खेले जाएंगे। अंडर-19 विश्व कप के पहले दिन ही (15 जनवरी) भारत का मुकाबला यूएसए के साथ है। मैच क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो, जिम्बाब्वे में भारतीय समयानुसार 1 बजे से शुरू होगा। भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 17 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेला जाएगा। ये मैच भी क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो, जिम्बाब्वे में ही भारतीय समयानुसार 1 बजे से खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा हालात को देखते हुए इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है। भारतीय टीम का लीग स्टेज का तीसरा मुकाबला 24 जनवरी को बुलावायो में ही खेला जाएगा। यह मैच भी भारतीय समयानुसार 1 बजे ही शुरू होगा। ग्रुप की शीर्ष दो टीम अगले स्टेज के लिए क्वालिफाई करेगी।अन्य ग्रुप पर नजर डालें तो ग्रुप बी में पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, जिंबाब्वे और इंग्लैंड हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, जापान, आयरलैंड और श्रीलंका हैं। ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज हैं। अंडर-19 विश्व कप 2026, विश्व कप का 16वां संस्करण है। पिछले 15 संस्करणों में भारतीय टीम सबसे सफल टीम बनकर उभरी है। भारतीय टीम 5 बार चैंपियन रही है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 बार ये खिताब जीता है। पाकिस्तान 2 बार चैंपियन रही है। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश भी एक-एक बार चैंपियन रह चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया मौजूदा विजेता है। 2024 में हुए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 79 रन से हराकर खिताब जीता था। इस विश्व कप में भारतीय टीम के जिस बल्लेबाज के प्रदर्शन पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की नजर रहने वाली है, वो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी हैं। साल 2025 में आईपीएल, भारत की अंडर-19 और अपनी घरेलू टीम बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने रनों का अंबार लगाया है। देखना होगा विश्व कप जैसे मेगा इवेंट में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है।

आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एनान, एरन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उद्धव मोहन, हेनिल पटेल, खिलन ए. पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, ब्रैंडन किंग होंगे कप्तान

एजेंसी

सेंट जॉन्स । टी20 विश्व कप 2026 से पहले वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई में 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान शाई होप इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह ब्रैंडन किंग को टीम का कप्तान बनाया गया है। ब्रैंडन किंग पूर्व में कुछ मौकों पर टीम की कप्तानी कर चुके हैं। शाई होप, रोस्टन चेज, और अकील हुसैन फिलहाल दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में खेल रहे हैं। इस वजह से वे अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। शमर जोसेफ और एविन लुईस ने इंजरी से उबरने के बाद टीम में फिर से जगह बना ली है। अल्जारी जोसेफ को फिट होने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए एहतियात के तौर पर स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार टीम में जगह मिली है। वह रोवमैन पॉवेल की जगह लेंगे, जिन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के हिस्से के तौर पर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज के लिए आराम दिया गया है। हेड कोच डैरेन सैमी ने बताया कि

यह सीरीज न सिर्फ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले तैयारी के लिए बेहतरीन मौका है, बल्कि लंबे समय के बाद वापस आए खिलाड़ियों को भी अभ्यास का अच्छा अवसर उपलब्ध कराएगी। सैमी ने कहा, 'सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन में प्रतियोगी मैच खेलने का मौका बहुत अच्छा है। टी20 विश्व कप से पहले यह सीरीज हमारी तैयारियों को पुख्ता करेगी। यह उन खिलाड़ियों का आकलन करने के लिए भी एक कीमती प्लेटफॉर्म देती, जो 2025 के आखिर में काफी समय तक नहीं खेल पाए। ' अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज 19 से 22 जनवरी तक दुबई क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। टीम 14 जनवरी को रवाना होगी और 16 जनवरी को यूएई पहुंचेगी।वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान टी20 फॉर्मेट की रोचक टीमें हैं। दोनों 8 बार आमने-सामने हुई हैं। 5 मैचों में वेस्टइंडीज ने जीत हासिल की है, जबकि 3 मैच अफगानिस्तान ने जीते हैं।

अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथांजे, कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरॉन हेटमायर, आमिर जंगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खारी पियरे, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

'हम अपनी कोशिश के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकते,' गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने एमआई के खिलाफ छूटे कैचों पर कहा

एजेंसी

नवी मुंबई । गुजरात जायंट्स के हेड कोच माइकल क्लिंगर ने माना कि फील्डिंग में बार-बार गलतियों की वजह से उनकी टीम को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बावजूद टीम का ओवरऑल कमिटमेंट और तैयारी मजबूत है। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, उनकी खराब फील्डिंग ने टूर्नामेंट में पहले दिखाए गए अच्छे प्रदर्शन पर पानी फेर दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को तीन बार ड्रॉप किया गया, और कई मिसफील्ड और ओवरथ्रो ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो उनके पहले दो मैचों में सेट किए गए शानदार स्टैंडर्ड से बिल्कुल अलग था। प्रदर्शन पर बात करते हुए, क्लिंगर ने कहा कि जायंट्स ज्यादातर पारी में काफी सॉलिड थे, लेकिन आखिर में चीजें बिगड़ गईं। क्लिंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। और शायद पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी

फील्डिंग की और फिर आखिरी पांच-छह ओवरों में वे सभी कैच छूट गए। '

उन्होंने माना कि विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ ऐसी गलतियां कितनी महंगी हो सकती हैं, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा, 'जब आप हरमनप्रीत जैसी अच्छी खिलाड़ी को तीन मौके देते हैं तो यह मुश्किल होता है, लेकिन साथ ही, कोशिश - मैं मैदान पर हमारी कोशिश और ट्रेनिंग में हमारे काम के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकता। वे हमारी फील्डिंग कोच सारा टेलर और बाकी सभी कोचों के साथ बहुत कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ' क्लिंगर ने कहा, 'इसलिए निश्चित रूप से कोशिश करने में कोई दिक्कत नहीं है। जब आप अच्छे खिलाड़ियों को ड्रॉप करते हैं, कैच छोड़ते हैं, तो यह मुश्किल होता है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करते रहेंगे। हमने अपनी फील्डिंग पर बहुत कड़ी मेहनत की है और हमने दो अच्छे प्रदर्शन किए हैं, और शायद एक प्रदर्शन ऐसा रहा जो हमारे सर्वश्रेष्ठ स्तर का नहीं था। ' इससे पहले, गुजरात जायंट्स ने अपने बैटिंग ऑर्डर में एक टैक्टिकल बदलाव किया, जब ऑलराउंडर अनुष्का शर्मा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत में लगी हाथ की चोट के कारण बाहर हो गईं। अनुष्का के न होने पर, कनिका आहूजा को नंबर 3 पर प्रमोट किया गया, जो एक बड़ा बदलाव था क्योंकि उन्होंने पिछले मैच में नंबर 8 पर बैटिंग की थी और सीजन के पहले मैच में नहीं खेली थीं। यह फैसला सही साबित हुआ। सोफी डिवाइन के जल्दी आउट होने के बाद, आहूजा ने 18 गेंदों में 35 रन बनाकर जवाबी हमला किया।

ग्रीनवुड की हैट्रिक से मार्सेई फ्रेंच कप के अंतिम-16 में

एजेंसी

बायो, फ्रांस। मेसन ग्रीनवुड की शानदार हैट्रिक और दो गोल में अहम भूमिका की बदौलत मार्सेई ने क्षेत्रीय टीम बायो को 9-0 से करारी शिकस्त देकर फ्रेंच कप के अंतिम-16 में जगह बना ली। यह मुकाबला खेला गया। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 22 गोल के साथ मार्सेई के शीर्ष स्कोरर रहे ग्रीनवुड ने मौजूदा सत्र में भी जबरदस्त फॉर्म जारी रखते हुए अब तक 25 मैचों में 19 गोल दाग दिए हैं। ग्रीनवुड के स्ट्राइक पार्टनर अमीन गुइरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो गोल करने के साथ एक गोल में असिस्ट दिया। हालांकि बायो की टीम ने जुझारूपन दिखाया, लेकिन कमजोर डिफेंस के कारण वह बड़े अंतर से हार से नहीं बच सकी। फ्रेंच कप में मार्सेई का आक्रामक प्रदर्शन लगातार जारी है। इससे पहले पिछले दौर में उसने तीसरे डिवीजन की टीम बुर्ग-एन-ब्रेस को 6-0 से हराया था। इस

तरह दो मुकाबलों में मार्सेई ने कुल 15 गोल दाग दिए हैं।पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड खिलाड़ी ग्रीनवुड ने 90वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। अब फ्रेंच कप के अगले दौर में मार्सेई की भिड़ंत अगले महीने की शुरुआत में लीग-1 की ही टीम रेनेस से होगी, जो एक ऑल-फर्स्ट डिवीजन मुकाबला होगा।

टी20 वर्ल्ड कप: भारत से बाहर मैच करवाने पर अड़ा बांग्लादेश, आईसीसी ने फिर से सोचने को कहा

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की, जिसमें सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत न जाने के फैसले को दोहराया। बोर्ड चाहता है कि बांग्लादेश के मुकाबले भारत से बाहर किसी अन्य वेन्यू पर हों। भले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने देश के मुकाबले भारत से बाहर शिफ्ट करवाने का अनुरोध किया है, लेकिन आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही तय है। इसी के साथ आईसीसी ने बीसीबी से अपने फैसले पर फिर से सोचने का आग्रह किया, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपने फैसले पर कायम रहा। आईसीसी ने इसमें शामिल लॉजिस्टिकल चुनौतियों पर जोर दिया है। दोनों पक्ष एक संभावित समाधान खोजने के लिए बातचीत जारी रखने

पर सहमत हुए। बीसीबी ने बयान में कहा, 'मंगलवार दोपहर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के बीच पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश नेशनल क्रिकेट टीम की भागीदारी पर चर्चा करने के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई। चर्चा के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत न जाने के अपने फैसले के बारे में अपनी स्थिति की पुष्टि की। बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मुकाबलों को भारत से बाहर शिफ्ट करने को लेकर विचार करने का भी अनुरोध दोहराया है। '

इस मीटिंग में बीसीबी का प्रतिनिधित्व प्रेसिडेंट मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद शकावत हुसैन और फारूक अहमद, डायरेक्टर और क्रिकेट ऑपरेशंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल आबेदीन और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर निजामुद्दीन चौधरी ने किया। अपनी प्राथमिकताओं की पुष्टि करते हुए, बीसीबी ने इस बात पर जोर दिया है कि खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, 'बीसीबी अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ की भलाई की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि इस मामले को सुलझाने के लिए आईसीसी के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। ' 7 फरवरी से पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत होगी। ऐसे में शेड्यूल में किसी भी बदलाव की संभावना बहुत कम है। उम्मीद है कि आईसीसी जल्द ही इस मामले पर अंतिम फैसला लेगा।

काराबाओ कप सेमीफाइनल: मैनचेस्टर सिटी ने न्यूकैसल को पहले चरण में 2-0 से हराया

एजेंसी

न्यूकैसल। मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोइन सेमेन्यो ने लगातार दूसरे मैच में गोल दागते हुए शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि रयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पेप गार्डियोला की अगुआई वाली सिटी ने खेले गए लीग कप (काराबाओ कप) सेमीफाइनल के पहले चरण में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूकैसल यूनाइटेड को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से मात दी। जनवरी में बोर्नमाउथ से 65 मिलियन पाउंड के करार पर सिटी से जुड़े सेमेन्यो ने 53वें मिनट में जेरेमी डोकू के क्रॉस पर नजदीक से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बाद में उन्होंने एक और शानदार फिनिश के साथ गोल किया, लेकिन लंबी वीएआर जांच के बाद इसे सब्जेक्टिव ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। दूसरे चरण से पहले सिटी ने खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुकाबले के स्टॉपेज टाइम में रयान चेर्की ने लो शॉट लगाकर गोल किया और घरेलू दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। दूसरा चरण 4 फरवरी को खेला जाएगा।न्यूकैसल को मैच में कुछ अच्छे मौके मिले, खासकर दूसरे हाफ की शुरुआत में। सिटी के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने योआने विस्सा के शॉट को शानदार तरीके से क्रॉसबार पर टच कराया, जबकि इसके तुरंत बाद ब्रूनो गुइमारेस का लो शॉट भी गोलपोस्ट से टकरा गया। पिछले सीजन मार्च में वेम्बली में लिवरपूल को हराकर 1955 के बाद पहली घरेलू ट्रॉफी जीतने वाली न्यूकैसल अब लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचने के लिए मुश्किल स्थिति में है। सेमेन्यो ने शनिवार को एफए कप में एक्सेटर सिटी के खिलाफ 10-1 की जीत में भी गोल किया था। वह 2009 में इमैनुएल एडेबायोर के बाद सभी प्रतियोगिताओं में अपने पहले दो मैचों में गोल करने वाले पहले सिटी खिलाड़ी बने। मैच के बाद सेमेन्यो ने कहा, 'यहां का माहौल बेहतरीन है। हर कोई आत्मविश्वास से भरा है और सर्वश्रेष्ठ हासिल करना चाहता है। मैं बहुत जल्दी चीजें सीख रहा हूं और मुस्कान के साथ खेल का आनंद ले रहा हूं। ' न्यूकैसल के कोच एडी हाउ ने नियम में बदलाव पर निराशा जताई, जिसके चलते सेमेन्यो इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए पात्र रहे। उन्होंने कहा कि यदि विस्सा शुरुआती मौके को भुना लेते तो मैच का रुख कुछ और हो सकता था। गार्डियोला ने वीएआर फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम जानते हैं कि यह सिस्टम कैसे काम करता है। इससे हम और मजबूत होंगे। ' अन्य सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को आर्सेनल और चेल्सी आमने-सामने होंगे।

यूपी वॉरियर्स का विशेष डब्ल्यूपीएल मुकाबला लड़कियों की शिक्षा को समर्पित

मुंबई। वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के दौरान यूपी वॉरियर्स ने खेल के माध्यम से सामाजिक बदलाव को आगे बढ़ाते हुए एक खास पहल की घोषणा की है। टीम 17 जनवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले अपने मुकाबले को लड़कियों की शिक्षा के समर्थन में समर्पित करेगी। इस पहल का उद्देश्य लड़कियों के लिए निःशुल्क, लचीली और आजीवन शिक्षा के महत्व को सामने लाना है। इस अभियान के तहत यूपी वॉरियर्स ने 'एजुकेट गर्ल्स' नामक सामाजिक संस्था के साथ साझेदारी की है, जो देश के वंचित समुदायों में बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। इस सहयोग के माध्यम से उन लड़कियों के लिए ओपन स्कूलिंग जैसे विकल्पों को रेखांकित किया जाएगा, जो सामाजिक, आर्थिक या व्यक्तिगत कारणों से औपचारिक शिक्षा से दूर हो गई थीं। ओपन स्कूलिंग व्यवस्था छात्रों को बिना नियमित स्कूल जाए 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी करने का अवसर देती है। यह मॉडल खासतौर पर किशोरियों, युवा महिलाओं, खिलाड़ियों और पहली पीढ़ी की शिक्षार्थियों के लिए दूसरी शैक्षणिक शुरुआत का रास्ता खोलता है। यूपी वॉरियर्स इस विशेष मैच के जरिए प्रसारण मंचों, स्टेडियम गतिविधियों और प्रशंसकों की भागीदारी के माध्यम से शिक्षा से जुड़ी इस मुहिम को व्यापक स्तर पर पहुंचाएगी।

मेंस एचआईएल: जुगराज सिंह की हैट्रिक, बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को 5-3 से हराया

एजेंसी

रांची । मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 में जुगराज सिंह ने इस सीजन की अपनी पहली हैट्रिक लगाकर श्राची बंगाल टाइगर्स को अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ 5-3 से शानदार जीत दिलाई। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ बंगाल टाइगर्स 7वें पायदान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इसी के साथ टीम ने अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने तेज शुरुआत की। अभिषेक ने गोल पर पहला असली शॉट लगाया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। हालांकि, बचाव करते समय एक गलती के कारण अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक दे दिया। जुगराज सिंह गोलपोस्ट पर दिग्गज डेविड हार्ट के सामने थे। उन्होंने गेंद को नीचे और तेजी से मारकर गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया। 11वें मिनट तक टाइगर्स ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी।

1-0 की बढ़त ने टाइगर्स को

बेहतर स्थिति में ला दिया था। हालांकि, दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिसमें ड्रैगन्स ने बराबरी की पूरी कोशिश की और उनके लिए उत्तम सिंह ने आक्रमण की अगुवाई की, लेकिन वे अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सके। हाफटाइम पर टाइगर्स के कोच वैलेंटिन आल्टेनबर्ग खुश नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस मैच में कई चीजें बेहतर कर सकती है।

हालांकि 36वें मिनट में ड्रैगन्स को पेनाल्टी कॉर्नर से एड्रोहित के गोल के जरिए सफलता मिली, लेकिन यह क्वार्टर पूरी तरह टाइगर्स के नाम रहा। जुगराज सिंह ने 43वें और 45वें मिनट में गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद टाइगर्स 4-1 की बढ़त पर थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में उन्होंने ड्रैगन्स को वापसी का मौका दे दिया। ड्रैगन्स ने 48वें और 51वें मिनट में थॉमस सोर्सबी और ब्लेक गोवर्स के गोल से मुकाबले को 4-3 कर दिया। अंतिम मिनटों में वीडियो रेफरल के चलते मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया, जिसमें टाइगर्स को बढ़त मिली।

55वें मिनट में मिला पेनाल्टी कॉर्नर टाइगर्स की जीत में निर्णायक साबित हुआ। अभिषेक ने शानदार वैरिएशन पर गोल किया। इंजेक्शन के बाद उन्होंने खुद को सही जगह पर रखते हुए टॉम ग्रामबुश के ड्रैगफ्लिक से मिले डिफ्लेक्शन को गोल में तब्दील किया। इससे टाइगर्स 5-3 से आगे निकल गए और अंततः मैच अपने नाम कर लिया।

मैच गंवाने के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स के कप्तान अमित रोहिदास ने आईएएनएस से कहा, 'चिंता की कोई बात नहीं है।

हमारे सभी खिलाड़ी निपुण और आत्मविश्वास से भरे हैं। हमें बस अपने गेम पर फोकस करना है। जब भी हमें मौके मिलेंगे, हम उन्हें गोल में बदलेंगे। '

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के कारण शेयर बाजार में 15 जनवरी को रहेगा अवकाश

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में होने वाले नगर निगम चुनाव के कारण 15 जनवरी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके पहले स्टॉक एक्सचेंज के पुराने सर्कुलर में 15 जनवरी को सिर्फ सेटलमेंट हॉलिडे की बात कही गई थी, जबकि नॉर्मल ट्रेडिंग जारी रहने वाली थी। अब नया सर्कुलर जारी कर पुराने सर्कुलर में बदलाव करते हुए पूरी छुट्टी घोषित कर दी गई है। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से जारी नए सर्कुलर में कहा गया है कि 15 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बोरोइंग (एसएलबी), करंसी डेरिवेटिव्स और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके अलावा कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सुबह का सत्र भी बंद रहेगा। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को नगर निगम के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 15 जनवरी को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। ये सार्वजनिक अवकाश महाराष्ट्र के सभी 29 नगर निगम में लागू होगा। इनमें मुंबई सिटी और मुंबई सब अर्बन जिले भी शामिल हैं, जहां बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन बीएमसी के चुनाव हो रहे हैं। इससे पहले 2017 में भी नगर निगम चुनाव के दौरान शेयर बाजार में छुट्टी कर दी गई थी।

कैट ने क्विक कॉमर्स के 10 मिनट की डिलीवरी पर रोक लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ब्लिंकिट और अन्य क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के 10 मिनट में डिलीवरी देने वाली सर्विस पर रोक लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है। कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि सरकार का यह निर्णय मानवीय दृष्टिकोण से आवश्यक होने के साथ-साथ क्विक कॉमर्स क्षेत्र में अनुशासन और जवाबदेही स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि सबसे पहले संसद में मानसून सत्र 2024 के दौरान इस गंभीर मुद्दे को मजबूती से उठाया गया था। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स के अनियंत्रित विस्तार पर चिंता जताते हुए डार्क स्टोर्स पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करते हुए एक प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि मैंने डार्क स्टोर्स पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करते हुए प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया, ताकि क्विक कॉमर्स के उस अनियंत्रित मॉडल पर रोक लगाई जा सके जो शहरी नियोजन को विकृत करता है, लोकल व्यापारियों के कारोबार को खत्म करता है, जो शोषणकारी प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है और डिलीवरी कर्मियों पर असुरक्षित दबाव डालता है।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन उठा पटक का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के पहले सत्र में मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले बाजार में जबरदस्त बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये दोनों सूचकांक भी बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स इंट्रा-डे में 995 अंक से अधिक फिसल गया। इसी तरह निफ्टी भी इंट्रा-डे में लगभग 300 अंक टूट गया। कारोबार के आखिरी घंटे में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ हद तक सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही।

नागराजू ने सचिव ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के साथ उनके कार्य प्रदर्शन की समीक्षा की जिसमें इन कंपनियों की लाभप्रदता, डिजिटल ऑनबोर्डिंग और ग्राहक-केंद्रित सुधारों पर ज़ोर दिया गया। वित्त मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार समीक्षा बैठक में श्री नागराजू ने ग्राहकों को कुशल सेवाएँ प्रदान करने के लिए सार्वजनिक शिकायतों के समय पर समाधान और निर्बाध और त्वरित दावों के प्रसंस्करण को सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया। बैठक में कंपनियों के वर्ष 2024-25 और 2025-26 की पहले छमाही के वित्तीय और व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की गयी । बैठक में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारतीय सामान्य बीमा निगम (जीआईसी), न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल), नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसीएल), ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) और एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसीआईएल) शामिल के प्रतिनिधि शामिल थे।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का आईपीओ, 19 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आर्मर सिक्योरिटी इंडिया का 26.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 21 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 55 रुपये से लेकर 57 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आर्मर सिक्योरिटी इंडिया के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,28,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.50 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 0.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.88 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.10 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्य कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काई लाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.62 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 3.97 करोड़ रुपये हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 में कंपनी को 2.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 28.97 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 33.10 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 36.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 19.69 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 85 लाख रुपये के कर्ज का बोझ था।

पीएफआरडीए ने एनपीएस के तहत सुनिश्चित पेंशन के लिए बनाई विशेषज्ञ समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत निश्चित भुगतान के लिए रूपरेखा एवं नियम तैयार करने को लेकर 15 सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इसका उद्देश्य एनपीएस अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आय को सुनिश्चित और सुरक्षित बनाना है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीएफआरडीए की यह पहल पेंशन नियामक अधिनियम के अनुरूप है। इस समिति का गठन 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में पीएफआरडीए का एक अहम कदम है, जिसका उद्देश्य हर नागरिक को उम्रदराज होने के बाद आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है। इस समिति का गठन दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम. एस. साहू की अध्यक्षता में किया गया है। इस समिति में विधि, मूल्यांकनकर्ता, वित्त, पूंजी बाजार एवं शिक्षा जगत जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा व्यापक विचार-विमर्श सुनिश्चित के लिए समिति को बाहरी विशेषज्ञों या मध्यस्थों को विशेष सदस्यों के तौर पर प्रतिक्रिया एवं परामर्श के लिए आमंत्रित करने का अधिकार दिया गया है।वित्त मंत्रालय के मुताबिक यह समिति नियमित पेंशन भुगतान पर एक स्थायी सलाहकार समिति के रूप में गठित की गई है। इसके मुख्य कार्यों में नियमों का विकास, बाजार आधारित गारंटी, परिचालन के तौर-तरीके खोजना, जोखिम और कानूनी निगरानी, अंशधारकों की सुरक्षा आदि शामिल हैं।पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) भारत सरकार द्वारा स्थापित एक सांविधिक नियामक संस्था है।

विक्ट्री ईवी ने निवेशकों को दिया झटका, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली कंपनी विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हेकिल्स इंटरनेशनल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 41 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.98 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 34.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 32.75 रुपये लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.12 प्रतिशत का नुकसान हो गया विक्ट्री ईवी इंटरनेशनल का 35 करोड़ रुपये का आईपीओ सात से नौ जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से काफी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये फुली सब्सक्राइब भी नहीं हो सका था। ये आईपीओ ओवरऑल 0.95 गुना सब्सक्राइब

हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.91 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 84.30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में तथा आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 79 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.89 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 5.17 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में पहली छमाही के अंत यानी 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी) के वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।वित्तीय सेवा विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में लिखा, सचिव एम. नागराजू ने इस समीक्षा बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के नुकसान अनुपात कम करके, खुदरा व्यापार को मजबूत करके और मार्केट शेयर बनाए रखते हुए युवा पीढ़ी की जरूरतों और उभरते जोखिमों को पूरा करने के लिए नवोन्मेषी उत्पाद पेश करके प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने की जरूरत पर ज़ोर दिया। समीक्षा बैठक में खुदरा उत्पाद की 100 फीसदी डिजिटल ऑनबोर्डिंग, बैंकएश्योरेंस सहित डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों के विस्तार, और खासकर बीमा सखी पहल के विस्तार की भी सराहना की, और सभी पीएसआईसी के लिए शिकायतों

बेहतर कम्युनिकेशन और पब्लिसिटी पर ज़ोर दिया गया। इसके साथ ही सचिव ने एलआईसी की प्रगति, के तुरंत निपटारे और बिना किसी रुकावट के क्लेम प्रोसेसिंग पर ज़ोर दिया।

यजुर फाइबर्स ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली।फ्लैक्स, जूट और हेम्प जैसे रेशों की प्रोसेसिंग और मैन्युफैक्चरिंग का काम करने वाली कंपनी यजूर फाइबर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 174 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 139.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 132.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.99 प्रतिशत का नुकसान हो गया। यजूर फाइबर्स का 120 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 9 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.33 गुना

सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.03 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.91 गुना सब्सक्रिप्शन आ सका था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.51 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 69.20 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में शेड बनाने, मशीनरी की खरीदारी करने, प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.27 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 11.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 7.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 61.84 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 84.85 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 141.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

उपभोक्ता कार्य विभाग का पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता न्याय में तेजी लाने के लिए डिजिटल सुधारों पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता कार्य विभाग ने पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता न्याय में तेजी लाने के लिए डिजिटल सुधारों पर जोर दिया है। विभाग ने लंबित मामलों को कम करने, आदेशों के अनुपालन में सुधार लाने और अनियमित प्रक्रियाओं से निपटने के लिए पटना में एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उपभोक?ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत सरकार के उपभोक्ता कार्य विभाग ने बिहार के पटना में पूर्वी राज्यों के लिए उपभोक्ता संरक्षण पर आज क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया, ताकि उपभोक्ता शिकायत निवारण को मजबूत किया जा सके और उपभोक्ता आयोगों के कामकाज में सुधार किया जा सके। मंत्रालय के अनुसार इस कार्यशाला में लंबित मामलों को कम करने, उपभोक्ता आयोग के आदेशों के अनुपालन में सुधार करने, त्वरित न्याय के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने और डिजिटल बाजार में उभरते हुए खतरों जैसे कि अस्पष्ट पैटर्न और व्यापार के अनुचित प्रचलनों से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा पटना में आयोजित कार्यशाला में ई-जागृति, एनसीएच 2.0 और मामलों के त्वरित निपटान पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों, उपभोक्ता आयोगों और राज्यों ने त्वरित न्याय तथा डिजिटल बाजारों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने अपने संबोधन में देशभर में उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच 2.0) की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया, जो मुकदमेबाजी से पहले एक ऐसा मंच है जो बहुभाषी पहुंच, ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने और प्रौद्योगिकी के माध्यम से त्वरित समाधान प्रदान करता है।

ट्राई ने मुंबई और नासिक में किया मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का आकलन

एजेंसी

मुंबई/नासिक। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने महाराष्ट्र के मुंबई और नासिक में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का आकलन किया। मुंबई में औसत डेटा गति और कॉल सेटअप सफलता दर के आधार पर रिलायंस जियो शीर्ष पर रहा, एयरटेल ने अधिकांश मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया, वोडाफोन आइडिया मध्यम रहा, जबकि एमटीएनएल का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। नासिक में औसत डेटा गति और कॉल गुणवत्ता के आधार पर जियो और एयरटेल ने बेहतर प्रदर्शन किया, वोडाफोन आइडिया मध्यम रहा, जबकि बीएसएनएल की गति और कॉल ड्रॉप दर के कारण उसका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार मुंबई में 3 से 7 नवंबर के बीच 320.2 किलोमीटर क्षेत्र में परीक्षण किया गया। इसमें 192.4 किलोमीटर का सिटी ड्राइव, 7 हॉटस्पॉट, 3.1 किलोमीटर वॉक टेस्ट, 9.7 किलोमीटर का तटीय मार्ग और 115 किलोमीटर का लोकल रेलवे मार्ग शामिल रहा। वहीं नासिक में 18 से 21 नवंबर के बीच 487.2 किलोमीटर क्षेत्र में परीक्षण हुआ, जिसमें 250.1 किलोमीटर का सिटी ड्राइव, 9 हॉटस्पॉट, 9.4 किलोमीटर वॉक टेस्ट और 227.7 किलोमीटर का राजमार्ग मार्ग शामिल रहा। साल 2025 के नवंबर महीने में किए गए इस आकलन में शहर, रेलवे, तटीय और राजमार्ग मार्गों पर नेटवर्क की वास्तविक स्थिति को परखा गया। मुंबई रिपोर्ट: कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर) में एयरटेल 99.62 प्रतिशत, एमटीएनएल 28.52 प्रतिशत, रिलायंस जियो 99.81 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 96.07 प्रतिशत पर रहे। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल 0.00 प्रतिशत, एमटीएनएल 22.47 प्रतिशत, जियो 0.56 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 6.43 प्रतिशत दर्ज किए गए। डेटा डाउनलोड गति में जियो सबसे आगे रहा, जिसकी औसत गति 221.34 मेगाबिट प्रति सेकंड रही। एयरटेल की औसत डाउनलोड गति 84.99 मेगाबिट प्रति सेकंड, वोडाफोन आइडिया की 49.79 मेगाबिट प्रति सेकंड और एमटीएनएल की 4.05 मेगाबिट प्रति सेकंड रही।

नासिक रिपोर्ट: कॉल सेटअप सफलता दर में एयरटेल 99.64 प्रतिशत, बीएसएनएल 86.60 प्रतिशत, जियो 100 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 94.66 प्रतिशत पर रहे। कॉल ड्रॉप दर में एयरटेल 0.00 प्रतिशत, बीएसएनएल 4.72 प्रतिशत, जियो 0.71 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया 0.94 प्रतिशत दर्ज किए गए। डेटा डाउनलोड गति में जियो सबसे आगे रहा, जिसकी औसत गति 193.31 मेगाबिट प्रति सेकंड रही। एयरटेल की औसत डाउनलोड गति 104.52 मेगाबिट प्रति सेकंड, वोडाफोन आइडिया की 59.74 मेगाबिट प्रति सेकंड और बीएसएनएल की 5.03 मेगाबिट प्रति सेकंड रही। हॉटस्पॉट क्षेत्रों में 5जी नेटवर्क पर जियो ने नासिक में 155.69 मेगाबिट प्रति सेकंड डाउनलोड और 22.30 मेगाबिट प्रति सेकंड अपलोड गति दर्ज की, जबकि एयरटेल ने 117.96 मेगाबिट प्रति सेकंड डाउनलोड और 28.24 मेगाबिट प्रति सेकंड अपलोड गति हासिल की।

टाटा मोटर्स ने 'पंच' का नया अवतार पेश किया, शुरुआती कीमत 5.59 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने एसयूवी खंड पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने लोकप्रिय सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी मॉडल 'पंच' को अब नए अवतार में पेश किया है। इस मॉडल की शुरुआती कीमत 5.59 लाख रुपये है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने एक बयान में बताया कि कंपनी अपने लोकप्रिय सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी मॉडल 'पंच' को नए अवतार में पेश किया है। टर्बो पेट्रोल इंजन विकल्प से लैस इस मॉडल की शुरुआती कीमत 5.59 लाख रुपये रखी गई है। चंद्रा ने कहा कि नई टाटा पंच फ़ेसलिफ़्ट में अब 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन का विकल्प दिया गया है, जो 118बीएचपी का पावर और 170

एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। देश में यात्री वाहनों की बिक्री वर्ष 2026 में करीब 10 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। इसमें एसयूवी खंड की भूमिका अहम रहने की संभावना है।

पीएफआरडीए ने पेंशन फंड के पंजीकरण के लिए जारी किये दिशा-निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने पेंशन निधियों के पंजीकरण के लिए मंगलवार को दिशा-निर्देश जारी किये। इसमें कहा गया है कि पेंशन निधियों का पंजीकरण दो चरणों में होगा। पहले चरण में योग्य प्रायोजक इसके लिए आवेदन करेंगे जिसके आधार पर उनका चयन किया जायेगा। दूसरे चरण में वे उनके द्वारा प्रस्तावित पंजीकरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करेंगे। प्रायोजक कंपनी के लिए अपनी कुल चुकता पूंजी का कम से कम 20 प्रतिशत उस पेंशन कोष में रखना अनिवार्य होगा जिसकी स्थापना वे करेंगे। संयुक्त उपक्रम भी इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क 10 लाख रुपये रखा गया है जिस पर कर तथा अन्य शुल्क अलग से देना होगा। आवेदन करने के लिए अर्हता के तहत फंड प्रबंधन (इक्विटी और डेट) में कम से कम पांच साल के अनुभव और पिछले पांच वित्त वर्ष में 50 करोड़ रुपये के नेटवर्थ और आवेदन की तिथि पर 25 करोड़ रुपये की चुकता पूंजी की अर्हता रखी गयी है। उसका रिजर्व बैंक, सेबी या भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण से द्वारा विनियमित वित्तीय संस्थान होना अनिवार्य होगा। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि पिछले पांच वित्त वर्ष में से कम से कम तीन में प्रायोजक को कर बाद मुनाफा हुआ हो और इस दौरान कभी भी नकदी का नुकसान न हुआ हो।

मप्र कैबिनेट का बड़ा फैसला, प्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 को दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने स्पेस टेक नीति-2026 को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 800 मेगावाट बिजली से संबंधित तीन एजेंडों को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा शिक्षकों के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना को लागू कर 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। बैठक में मुख्यमंत्री सहित मंत्रि-परिषद के सदस्य टैबलेट के साथ शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस संबंध में बताया कि मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में उपलब्ध 322 औद्योगिक पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर और 31 गीगावाट की बिजली आपूर्ति, उत्कृष्ट शैक्षणिक सस्थानों आदि संसाधनों एवं अनुकुल वातावरण के दृष्टिगत अंतरिक्ष-ग्रेड विनिर्माण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में मप्र स्पेसटेक नीति-2026 लागू करने की स्वीकृति दी है। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू स्थानिक विश्लेषण और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों में नवाचार को बढ़ावा देगी। प्रदेश में आगामी 5 वर्ष में एक हजार करोड़ का निवेश और लगभग 8 हजार का रोजगार सृजन होगा। इस पर अनुमानित वित्तीय भार 628 करोड़ रुपये आएगा। उन्होंने बताया कि इस नीति के लागू होने से प्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (स्पेसटेक) क्षेत्र में एक मजबूत केंद्र बनने की ओर अग्रसर होगा। इस नीति के लागू होने से राज्य अंतरिक्ष उद्योग को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे और अनुसंधान सहायता के माध्यम से अपनी रणनीति बना सकेगा। यह नीति उपग्रह निर्माण, भू-स्थानिक विश्लेषण, और डाउन स्ट्रीम अनुप्रयोगों (जैसे कृषि, आपदा प्रबंधन, और शहरी नियोजन) में नवाचार को बढ़ावा देगी, जिससे आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वैश्विक मान्यता प्राप्त होगी। नव प्रवर्तन और अनुसंधान अंतर्गत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र एवं इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित होगा, जिससे राज्य सरकार द्वारा एकीकृत स्पेसटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा सकेगी। मध्य प्रदेश में स्पेसटेक नीति-2026 के क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश के माध्यम से नवीन रोजगार सृजित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। शुक्ल ने बताया कि बैठक में मंत्रि-परिषद द्वारा शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, शिक्षक तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए एक जुलाई 2023 अथवा उसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर, चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना प्रभावशील किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए 322 करोड़ 34 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने द्वितीय चरण के लिए 200 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय की स्थापना के लिए अनुमानित व्यय 3 हजार 660 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। द्वितीय चरण के प्रस्तावित विद्यालयों की क्षमता एक हजार से अधिक होगी। शुक्ल ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने जिला मऊगंज में हुई घटना में दिवंगत सहायक उप निरीक्षक स्व. रामचरण गौतम के परिवार को 90 लाख रुपये की श्रद्धा निधि देने की स्वीकृति दी गयी। उल्लेखनीय है कि दिवंगत स्व. गौतम के परिवार को 10 लाख रुपये की विशेष अनुग्रह राशि पूर्व में 1 अप्रैल 2025 को प्रदान की जा चुकी है। मऊगंज जिले थाना शाहपुर अंतर्गत ग्राम गडरा में एक परिवार के लोगों को समुदाय के लोगों ने बंधक बना लिया था। घर के अंदर एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के बाद शव को अभिरक्षा में लेने के दौरान समुदाय ने पुलिस अमले पर हमला कर दिया था। हमले में गौतम ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए कर्तव्य का पालन किया और वीर गति को प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन सोलर सह स्टोरेज प्रदाय परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही परियोजना के अंतर्गत सोलर-सह चार घंटे 300 मेगावाट, सोलर सह छह घंटे 300 मेगावाट औ सोलर-सह 24 घंटे 200 मेगावाट विद्युत प्रदाय की सिंगल साइकिल चार्जिंग आधारित ऊर्जा भंडारण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अमेरिका ने लेबनान, मिस्र और जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठनों को आतंकी घोषित किया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए लेबनान, मिस्र और जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े तीन संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत शुरुआती कार्रवाई के रूप में उठाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय उन मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों की गतिविधियों और क्षमताओं को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है, जो अमेरिका के लिए खतरा मानी जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन इस दिशा में आगे भी सख्त कदम उठाता रहेगा। निर्णय के तहत अमेरिकी विदेश विभाग ने लेबनानी मुस्लिम ब्रदरहुड को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' और 'विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी' (एसडीजीटी) की श्रेणी में रखा है। इसके साथ ही संगठन के प्रमुख मोहम्मद फवजी तक़्कोश को भी एसडीजीटी घोषित किया गया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने मिस्र और जॉर्डन की मुस्लिम ब्रदरहुड इकाइयों को एसडीजीटी के रूप में नामित किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों संगठनों पर हमास को भौतिक और वित्तीय सहायता देने के आरोप हैं।

कॉल बाइपास में संलिप्त 7 चीनी नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। कॉल बाइपास में शामिल 7 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) की टीम ने ठमेल के ज्याठा स्थित एक रेस्टोरेंट से उन्हें गिरफ्तार किया। सीआईबी के प्रवक्ता एसएसपी शिवकुमार श्रेष्ठ के अनुसार गिरफ्तार किए गए चीनी नागरिकों में 33 वर्षीय लिउ पान, 31 वर्षीय गाओ झिकुन, 41 वर्षीय लिउ जियानवेई, 41 वर्षीय ही दु शुआंगसेंग, 38 वर्षीय पेङ काङ, 49 वर्षीय चाई झिचिङ और 42 वर्षीय झाङ हाओ शामिल हैं। नेपाल टेलिकॉम और एनसेल के समन्वय से सीआईबी ने ज्याठा में चीनी नागरिक लिउ पान द्वारा संचालित रेस्टोरेंट पर छापा मारा और सभी को हिरासत में लिया। जांच में सामने आया है कि इस रेस्टोरेंट को शेल्टर बनाकर एक चीनी गिरोह कॉल बाइपास का संचालन कर रहा था। सीआईबी ने उनके खिलाफ आगे की जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल प्रदेश में गैस सिलेंडर विस्फोट से नेपाल के एक ही गांव के 9 लोगों की मौत

काठमांडू। भारत के हिमाचल प्रदेश के अर्की बाजार में गैस सिलेंडर विस्फोट की घटना में मारे गए सभी नौ लोग नेपाल के सल्यान जिले के टाकुरा स्थित सिद्धकुमाख गांवपालिका-2 के रहने वाले थे। सिद्धकुमाख गांवपालिका-2 के वडाध्यक्ष मेकबहादुर बुढाथोकी ने बताया कि यह घटना 11-12 जनवरी की मध्यरात्रि को हुई, जब टाकुरा के दो परिवारों के 9 लोग अपने कमरे में रखे गैस सिलेंडर के अचानक विस्फोट और उसके बाद लगी आग की चपेट में आ गए। मृतकों में 33 वर्षीय धनबहादुर विक, उनकी 32 वर्षीय पत्नी कविता विक, 16 वर्षीय बेटी राधा विक, 10 वर्षीय बेटी रेणुका विक और 22 माह का बेटा राजन विक शामिल हैं। इसी तरह दूसरे परिवार के 46 वर्षीय काशीराम विक, उनकी 32 वर्षीय पत्नी टीका विक, 11 वर्षीय बेटी अनु विक और 7 वर्षीय बेटा किरण विक की भी मौत हो गयी। वडाध्यक्ष ने बताया कि जिन कमरों में वे सो रहे थे, वहीं रखा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। विस्फोट के बाद लगी आग से आसपास के मकान भी जल गए। कुछ शव इस कदर जल गए हैं कि पहचान करना मुश्किल हो गया है।

न्यूयॉर्क शहर के बड़े अस्पतालों में 15,000 नर्सें हड़ताल पर

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के कई बड़े अस्पतालों में नए अनुबंध पर बातचीत असफल हो जाने से लगभग 15,000 नर्सों की हड़ताल सोमवार को पहले दिन में प्रवेश कर गई। कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम न्यूज (सीबीएस) ने यह जानकारी दी। हड़ताल सोमवार को सुबह पांच निजी अस्पतालों में शुरू हुई, जिसमें माउंट सिनाई, माउंट सिनाई मॉर्निंगसाइड, माउंट सिनाई वेस्ट और मैनहट्टन में न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन सुविधाएं शामिल हैं। मरीजों के परिवारों ने कहा कि नियमित नर्सिंग कर्मचारियों की गैरमौजूदगी से देखभाल की निरंतरता और गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। श्री चार्ली ब्रावो ने हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी बहन माउंट सिनाई वेस्ट में भर्ती हैं और मौजूदा स्थिति ने उन्हें बेचैन कर दिया है। उन्होंने कहा, 'उन्हें निश्चित रूप से नर्सों की जरूरत है। यह हड़ताल जल्द खत्म होनी चाहिये। ' यह सवाल भी उठाया गया है कि हड़ताली नर्सों की जगह कौन ले रहा है। ग्रेटर न्यूयॉर्क हॉस्पिटल एसोसिएशन ने कहा कि अस्पतालों ने हड़ताल के दौरान कामकाज चलाने के लिए अस्थायी तौर पर नर्सों को सेवा के लिए लिया है।

थाईलैंड में ट्रेन पर क्रेन गिरने से कई कोच पटरी से उतर गए, 22 की मौत और 55 से ज्यादा घायल

एजेंसी

नई दिल्ली । बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी इलाके में जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। एक कंस्ट्रक्शन क्रेन ट्रेन के एक कोच पर गिर गई। थाई पुलिस अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 55 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 9:05 बजे नाखोन रत्चासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। जिस जगह पर यह घटना घटी, वह थाई राजधानी से करीब 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है। जब यह हादसा हुआ, तब ट्रेन उबोन रत्चथानी प्रांत जा रही थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार क्रेन का इस्तेमाल मौजूदा रेल लाइन के पैरेलल चल रहे एक हाई-स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन साइट पर किया जा रहा था। जब ट्रेन उस इलाके से गुजर रही थी, तो क्रेन का बैलेंस बिगड़ गया और वह गिरकर एक चलती हुई ट्रेन की बोगी से टकरा गई। क्रेन के टकराने के बाद ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके अलावा ट्रेन के कुछ हिस्सों में आग लग गई, जो बाद में बुझ गई लेकिन इससे मौके पर और अफरा-तफरी मच गई।

सोशल मीडिया पर घटना की कई वीडियो सामने आई हैं। उनमें देखा जा सकता है कि ट्रेन को बहुत नुकसान हुआ। रेस्क्यू टीम के लोग पटरी से उतरे डिब्बों के अंदर फंसे यात्रियों तक पहुंचने के लिए मुड़े हुए मेटल को काट रहे थे। बचाव और राहत काम करने के लिए फायरफाइटर्स, मेडिकल टीमों और डिजास्टर रिस्पॉन्स यूनिट्स सहित इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स को मौके पर भेजा गया। थाई सरकार के पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे के तुरंत बाद कई बचाव टीमों को तैनात किया गया था। हादसे के समय कई यात्री डिब्बों के अंदर फंसे हुए थे।

थाईलैंड के डिप्टी पीएम और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर फिफात रत्चाकितप्राकर्न ने कहा कि उन्होंने एजेंसियों को कारण का पता लगाने और दोबारा ऐसा होने से रोकने के लिए एक पारदर्शी, पूरी जांच करने का निर्देश दिया है। थाईलैंड के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर फिफात रत्चाकितप्राकर्न ने कहा कि ट्रेन में करीब 195 यात्री सवार थे। अधिकारी अभी पीड़ितों की पहचान करने और घायलों को मेडिकल मदद देने के लिए काम कर रहे हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। गिरी हुई क्रेन लगभग 5.4 बिलियन डॉलर के हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट का हिस्सा थी। थाईलैंड में हाल के सालों में इंडस्ट्रियल और कंस्ट्रक्शन से जुड़े कई हादसे हुए हैं, जिससे अक्सर सुरक्षा नियमों को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। बुधवार की इस दुखद घटना के बाद, अधिकारियों ने क्रेन गिरने की वजह का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

नेपाली कांग्रेस विभाजन की ओर, विशेष महाधिवेशन में होगा नए नेतृत्व का चयन

एजेंसी

काठमांडू। शेर बहादुर देउवा के नेपाली कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष पद छोड़ने से इनकार किए जाने के बाद पार्टी विभाजन की ओर बढ़ रही है। नेपाली कांग्रेस के विशेष महाधिवेशन में नए नेतृत्व का चयन किया जाना तय माना जा रहा है। लगातार चली आ रही चर्चाएं आज सुबह तक भी नेतृत्व के विवाद पर सहमति में नहीं बदल सकीं, जिसके चलते कांग्रेस औपचारिक रूप से विभाजन की ओर उन्मुख हो गई है। कार्यकारी अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा और महामंत्रियों गगन थापा व विश्वप्रकाश शर्मा के बीच आज सुबह हुई बैठक भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। इसके बाद भृकुटीमंडप में निर्वाचन कार्यक्रमों को आगे बढ़ा दिया गया है। उधर, देउवा पक्ष ने केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक करके महामंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी भी शुरू कर दी है। देउवा पक्ष ने केंद्रीय कार्यसमिति की आपात बैठक बुलाई है। महामंत्रियों का कहना था कि विशेष महाधिवेशन केवल नीतिगत विषयों के लिए ही नहीं, बल्कि नेतृत्व परिवर्तन के लिए भी आयोजित किया गया है, इसलिए उसके सम्मान में पार्टी को हाईकमांड के माध्यम से चलाने पर सहमति बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय को समझिए, जेन-जी आंदोलन की भावना को समझिए, चुनाव में किससे मुकाबला करना है, यह ध्यान में रखकर निर्णय लीजिए। इससे आपका सम्मान भी बना रहेगा और नेतृत्व परिवर्तन का संदेश भी जाएगा। यदि चुनाव न होते, तो यह स्थिति पैदा नहीं होती। बहुत सी बातें चुनाव से जुड़ी हैं। जनता की भावना को क्यों नहीं समझा जा रहा? बाहर की परिस्थितियां अलग हैं, इन्हें समझकर फैसला कीजिए।

इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की सात से एजेंसियों से संबंध तोड़े

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की सात एजेंसियों से संबंध तोड़ लिए हैं। विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने यह घोषणा की। उन्होंने इस फैसले की वजह कथित तौर पर इजराइल विरोधी रवैया बताया। सा'आर ने सात अक्टूबर को यौन हिंसा के मामलों को नजरअंदाज करने के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई की निंदा की और उस पर फिजूलखर्ची करने का आरोप जड़ा।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, विदेशमंत्री गिदोन सा'आर ने बताया कि इजराइल तुरंत प्रभाव से बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, पश्चिमी एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग, सभ्यताओं का संयुक्त राष्ट्र गठबंधन, संयुक्त राष्ट्र ऊर्जा और प्रवासन और विकास पर वैश्विक मंच। उन्होंने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि वह बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि के कार्यालय के साथ सहयोग खत्म कर रहा है, क्योंकि उसने सशस्त्र संघर्ष में बच्चों पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के साथ आईडीएफ को भी काली सूची में डाल दिया था। विदेश मंत्रालय ने अन्य छह एजेंसियों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के अलावा अन्य वैश्विक निकायों से बाहर हो चुका है।

ट्रंप की ईरान को दो टूक; कूटनीति खत्म, नए टैरिफ लागू और प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन

एजेंसी

तेहरान। ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों ने भयावह रूप ले लिया है। मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ता समूहों के अनुसार, अब तक कम से कम 2,571 प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है। सुरक्षा बलों पर अत्यधिक बल प्रयोग के आरोप हैं, जबकि कई शहरों में इंटरनेट बंदी के चलते हालात की स्वतंत्र पुष्टि कठिन बनी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि प्रदर्शनकारियों को फांसी दी गई तो अमेरिका 'बहुत कड़ी कार्रवाई' करेगा। उन्होंने ईरानी जनता से विरोध जारी रखने की अपील करते हुए कहा कि 'मदद रास्ते में है।' इस बीच, 26 वर्षीय प्रदर्शनकारी एरफान सोल्तानी को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें तेज़ी से मुकदमा चलाकर मौत की सज़ा सुनाई गई है और उनकी फांसी किसी भी समय हो सकती है। एरफान को तेहरान के उत्तर-पश्चिमी इलाके कराज से गिरफ्तार किया गया था।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चेतावनी दी है कि ईरानी अधिकारी विरोध को कुचलने के लिए मनमाने मुकदमे और फांसी की सज़ा का सहारा ले सकते हैं। संगठन के अनुसार, इंटरनेट बंदी के दौरान 8 जनवरी से एरफान का परिवार से संपर्क टूट गया था और 11 जनवरी को परिवार को उनकी सज़ा की जानकारी दी गई।

एक अन्य रिपोर्ट में सामने आया है कि एक अस्पताल में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की आंखों में गोली लगने की चोटें दर्ज की गई हैं, जो दमन की गंभीरता को दर्शाती हैं।

मानवाधिकार निगरानी समूहों के मुताबिक, ईरान चीन के बाद दुनिया में सबसे ज़्यादा फांसी देने वाला देश है। पिछले वर्ष देश में कम से कम 1,500 लोगों को फांसी दी गई थी।

ईरान में हालात पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की पैनी नज़र बनी हुई है और आने वाले दिनों में संकट और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप का दावा: वेनेजुएला में अमेरिकी दखल से कम हुई ईंधन की कीमतें, अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा नीति पर बात करते हुए वेनेजुएला का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि हाल में अमेरिका ने वेनेजुएला से जुड़े जो कदम उठाए हैं, उनसे ईंधन के दाम घटाने में मदद मिल रही है और आर्थिक विकास को सहारा मिल रहा है। डेट्रॉइट इकनॉमिक क्लब में भाषण देते हुए ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला को लेकर अमेरिका की कार्रवाई सफल रही है और अब इससे ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को पूरी तरह सफल बताया। ट्रंप ने कहा, 'उनके पास 50 मिलियन बैरल तेल है। उन्होंने कहा कि इसे ले लो, यह 5 बिलियन डॉलर का है, और हमने ले लिया। तेल को रिफाइनिंग के लिए यूनाइटेड स्टेट्स लाया जा रहा है और इससे गैसोलीन की कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। हम इसे रिफाइन करने के लिए ला रहे हैं। तेल शिप करने के लिए दर्जनों बड़े जहाजों की जरूरत होगी। दुनिया के सबसे बड़े जहाज एक मिलियन बैरल ले जा सकते हैं। इसे बाहर निकालने के लिए हमें दुनिया के 50 सबसे बड़े जहाजों की जरूरत है। ' ट्रंप ने सीधे तौर पर कहा कि वेनेजुएला से आए तेल की वजह से अमेरिका में ईंधन के दाम गिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस महीने की शुरुआत में हुई सफल कार्रवाई के बाद पेट्रोल के दाम और नीचे जाएंगे। उनके अनुसार, कई राज्यों में पेट्रोल ढाई डॉलर प्रति गैलन से नीचे आ चुका है और कई जगहों पर दो डॉलर से भी कम हो गया है। ट्रंप ने तर्क दिया कि कम एनर्जी लागत से पूरी अर्थव्यवस्था पर दबाव कम हो रहा है। उन्होंने कहा, 'जब गैसोलीन 1.99 डॉलर प्रति गैलन हो जाता है, तो सब कुछ नीचे आ जाता है। डोनट्स की कीमतें कम हो जाती हैं। डोनट्स पहुंचाने वाले ट्रक की कीमत भी कम हो जाती है। ' ट्रंप ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह चुनाव जीत जाती, तो अमेरिका की हालत और भी खराब हो जाती। उन्होंने कहा कि अब उनकी सरकार ने हालात बदल दिए हैं और वेनेजुएला के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे खुद वेनेजुएला के समर्थक हैं। ट्रंप ने कहा कि तेल की बढ़ी हुई सप्लाई से कीमतें और गिरेंगी और आर्थिक विकास को सपोर्ट मिलेगा।

नेपाल में विमान का आपातकालीन दरवाजा खोलने वाला यात्री पुलिस हिरासत में

एजेंसी

काठमांडू,। नेपाल में बुधवार को भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने की तैयार बुद्ध एयर के विमान का आपातकालीन दरवाजा एक यात्री ने खोल दिया, जिसके बाद उड़ान को रोकना पड़ा। इस यात्री को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बुद्ध एयर की उड़ान संख्या 852 बुधवार को भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने के लिए पार्किंग से रनवे की तरफ जा रहा था, तभी विमान में सवार यात्री सुमन ने बिना अनुमति विमान का आपातकालीन दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोल दिए जाने से उड़ान को रोकना पड़ गया। इस यात्री को तुरंत ही हवाई अड्डा सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया गया। हवाई सुरक्षा मानकों के अनुसार विमान की विस्तृत तकनीकी जांच के लिए काठमांडू से एक तकनीकी टीम भैरहवा के लिए रवाना हो चुकी है। पूर्ण परीक्षण और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही विमान को उड़ान भरने की अनुमति दी जाएगी। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के नियमों के अनुसार विमान का आपातकालीन दरवाजा बिना कारण खोलना एक गंभीर कानूनी अपराध है। इस घटना से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए बुद्ध एयर ने क्षमा याचना की है।

डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर भड़का ईरान, अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । हिंसा की हर कोने में फैलती चिंगारी के कारण ईरान मुश्किल के दौर से गुजर रहा है। इसी बीच, ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष अबुकर दाहिर उस्मान को एक पत्र लिखा है, जिसमें अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए गए। ईरान ने अमेरिका पर हिंसा को भड़काने और देश के खिलाफ बल प्रयोग की धमकी देने के आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र का रुख किया है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद से मांग की है कि वे अमेरिका की ओर से हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकी देने की निंदा करें। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, 'ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखें। अपनी संस्थाओं पर कब्जा करें। मदद आ रही है। ' इसी बीच, डोनाल्ड

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। डेट्रॉइट इकोनॉमिक क्लब में बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि राजनयिक जुड़ाव रोकने का फैसला ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'जब तक प्रदर्शनकारियों की बेमतलब हत्याएं बंद नहीं हो जातीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। ' यह घोषणा उस बयान के एक दिन बाद आई, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यावसायिक लेन-देन पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।

उन्होंने जिन्हें 'ईरानी देशभक्त' कहा, उन्हें संबोधित करते हुए उनसे विरोध जारी रखने और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों का दस्तावेजीकरण करने का आग्रह किया। ट्रंप ने कहा, 'सभी ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखें। अगर संभव हो तो अपनी संस्थाओं पर कब्जा करें और हत्यारों व दुर्व्यवहार करने वालों के नाम सुरक्षित रखें। ' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में मौतों की रिपोर्ट अलग-अलग हैं, लेकिन जोर दिया कि जवाबदेही तय होगी। उन्होंने कहा, 'मैं पांच अलग-अलग संख्याएं सुन रहा हूं। एक मौत भी बहुत ज्यादा है।' उन्होंने हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को चेतावनी दी कि इसके परिणाम होंगे।

इससे पहले, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार को एक बयान दिया कि ईरान से निपटने के लिए अमेरिका की प्राथमिकता अब भी कूटनीति ही है, हालांकि ट्रंप प्रशासन जरूरत पड़ने पर सैन्य विकल्पों को भी इनकार नहीं करेगा।

पूर्व उप प्रधानमंत्री लामिछाने ने अपने खिलाफ मुकदमों को वापस लेने का किया आग्रह

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के अध्यक्ष तथा पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने ने अपने खिलाफ दायर कुछ मामलों को वापस लेने के लिए महान्यायाधिवक्ता कार्यालय में आवेदन दिया है। उन पर विभिन्न जिला अदालतों में सहकारी ठगी के साथ-साथ संपत्ति शुद्धीकरण (मनी लॉन्ड्रिंग) और संगठित अपराध के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से महान्यायाधिवक्ता कार्यालय से संपत्ति शुद्धीकरण और संगठित अपराध से जुड़े आरोप वापस लेने का आग्रह किया है। रवि लामिछाने के निजी सचिव दीपक बोहरा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने हिरासत के दौरान भी अपने खिलाफ राजनीतिक पूर्वाग्रह के आधार पर लगाए गए मामलों को वापस लेने की मांग करते हुए आवेदन दिया था। अब जमानत और बैंक गारंटी पर रिहा होने के बाद उन्होंने पूरक आवेदन भी दायर किया है। निजी सचिव बोहरा के अनुसार सहकारी के धन गबन से जुड़े ठगी मामले के साथ संपत्ति शुद्धीकरण और संगठित अपराध के आरोप जोड़कर उन्हें राजनीतिक रूप से फंसाने की कोशिश की गई।

दीपक वोहरा का दावा है कि केवल सहकारी ठगी के आरोप में अधिक कठोर सजा की मांग नहीं की जा सकती थी, इसलिए संपत्ति शुद्धीकरण और संगठित अपराध के आरोप जोड़कर अधिक कैद सजा की मांग की गई। उन्होंने कहा है कि इन आरोपों के जुड़ने से 10 वर्ष से अधिक की कैद की मांग संभव हो जाती है और ऐसे मामलों में सबूत मिलने पर हिरासत में भेजने की संभावना भी मजबूत हो जाती है, जिसे वे अधिकतम राजनीतिक पूर्वाग्रह का उदाहरण मानते हैं। पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने पर कास्की जिला अदालत में सहकारी ठगी के साथ संगठित अपराध और संपत्ति शुद्धीकरण के आरोप में मामला चल रहा है।

इसी प्रकार, रुपन्देही और काठमांडू जिला अदालत में सहकारी ठगी तथा संगठित अपराध के मामले दर्ज हैं, जबकि चितवन के मामले में संगठित अपराध का आरोप नहीं जोड़ा गया है। गोर्खा मीडिया के अध्यक्ष जीवी राय सहित अन्य के साथ मिलीभगत कर सहकारी ठगी करने के आरोप में उनके खिलाफ पांच जिला अदालतों में मुकदमे चल रहे हैं।

उत्तरी माली में नाइजर नदी में नाव डूबी, 38 की मौत

एजेंसी

बमाको (माली)। उत्तरी माली के टिम्बकटू में नाइजर नदी में एक फेरी नाव (बोट) चट्टानों से टकराकर डूब गई। इस हादसे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के रिश्तेदारों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा गुरुवार को डिरे शहर में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या जारी नहीं की है, लेकिन इलाके के निवासी और पूर्व नेशनल असेंबली के डिप्टी अल्काइडी टूरे ने 38 लोगों की मौत हो गई और 23 को बचा लिया गया। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, डिरे नवासी मूसा अग अल्मोबारक ट्राओरे ने बताया कि उन्होंने इस हादसे में अपने परिवार के 21 सदस्यों को खो दिया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नाव में किसान सवार थे। यह हादसा रात को हुआ। इस इलाके में अल-कायदा के आतंकवादियों के हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों के कारण रात को डॉकिंग पर प्रतिबंध लगा है। ट्राओरे ने कहा कि नाव का चालक सुबह तक इंतजार नहीं करना चाहता था और उसने दूसरी जगह किनारे आने की कोशिश की, जहां नाव चट्टानों से टकराकर डूब गई। माली अपने पड़ोसी बुर्किना फासो और नाइजर के साथ मिलकर कई दशकों से आतंकवादियों से लड़ रहा है।

ट्रंप की ईरान को दो टूक; कूटनीति खत्म, नए टैरिफ लागू और प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली सभी बैठकों को रद्द कर दिया है, ईरान से जुड़े कारोबार पर नए टैरिफ लागू कर दिए हैं और ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों से आंदोलन जारी रखने की अपील की है। ट्रंप का कहना है कि यह फैसला ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हो रही हिंसा के कारण लिया गया है। डेट्रॉइट इकोनॉमिक क्लब में अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, 'जब तक प्रदर्शनकारियों की बेमतलब हत्याएं बंद नहीं होतीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। ' उन्होंने कहा कि ईरान में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ईरानी देशभक्तों' को संबोधित करते हुए उनसे आंदोलन जारी रखने को कहा।

उन्होंने कहा, 'सभी ईरानी देशभक्तों से मेरी अपील है कि प्रदर्शन करते रहिए। अगर संभव हो तो अपनी संस्थाओं पर नियंत्रण हासिल कीजिए। '

ट्रंप ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि दोषियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरान में मौतों के आंकड़ों पर ट्रंप ने कहा कि अलग-अलग रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं। मुझे पांच तरह के आंकड़े सुनने को

मिल रहे हैं, लेकिन एक मौत भी बहुत ज्यादा है। जवाबदेही तय होगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। आर्थिक मोर्चे पर ट्रंप ने बताया कि ईरान पर नया दबाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

उन्होंने कहा, 'आपने देखा कि मैंने ईरान के साथ कारोबार करने वाले हर व्यक्ति और देश पर टैरिफ लगा दिए हैं। यह आज से लागू हो गया है। '

ट्रंप ने टैरिफ को अपनी विदेश नीति का मुख्य हथियार बताया और कहा कि इसका मकसद ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है।

ट्रंप ने 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए ईरान के मौजूदा नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ईरान एक महान देश है, लेकिन मौजूदा शासकों ने उसे नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि बाहरी दबाव से ईरान में बदलाव आएगा और कहा, 'मैं बस इतना कहता हूं कि मदद रास्ते में है। 'ट्रंप ने टैरिफ को लंबी सैन्य कार्रवाई का बेहतर विकल्प बताया। उनके मुताबिक, व्यापारिक दबाव से पहले भी कई मामलों में नतीजे मिले हैं।

उन्होंने ईरान को अन्य विदेशी नीति कार्रवाइयों के साथ जोड़ते हुए परमाणु ठिकानों पर हमलों और आतंकी नेताओं के खिलाफ अभियानों का जिक्र किया।

ट्रंप ने यह भी कहा कि जो देश अमेरिका की व्यापार और सुरक्षा संबंधी मांगों का विरोध करते हैं, उन पर भी टैरिफ लगाए जाते हैं। ट्रंप के अनुसार, टैरिफ कूटनीति से ज्यादा असरदार दबाव बनाते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच दशकों से औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और मानवाधिकार रिकॉर्ड लंबे समय से तनाव की वजह रहे हैं। अमेरिका पहले भी प्रतिबंधों, टैरिफ और द्वितीयक प्रतिबंधों के जरिए ईरान पर दबाव बनाता रहा है ताकि सीधे सैन्य टकराव से बचते हुए अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत रखी जा सके।

page 1 and 8 jan 15_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/14/2026 11:05 PM Page 2

सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की संकल्पना है गौ कृषि

– रवि शंकर

दुनिया को खेती करना राजा पृथु ने सिखाया। महाभारत के अनुसार वह मानव इतिहास के चौथे राजा थे। पहले मनुष्य दूध, कन्दमूल खा-पीकर जीवन यापन करता था या फिर अपने-आप उग आए अनाज खाता था। किन्तु पृथु द्वारा खेती करने का तरीका विकसित करने के बाद से भारत में खेती होती आ रही है। राजा पृथु का काल पुराणों के अनुसार लाखों वर्षों पहले का है। आधुनिक इतिहासकार अपने पूर्वाग्रहों के कारण पृथु को इतिहास का हिस्सा नहीं मानते पर वे भी मानते हैं कि भारत में खेती हजारों वर्ष पहले से होती आ रही है। स्वाभाविक है कि इतने लंबे समय से खेती करने के कारण इसका एक विज्ञान भी देश में विकसित हुआ। देश में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने उस विज्ञान का अध्ययन भी किया। यह एक इतिहास ही है कि भारत में लिखी कृषि गीता पुस्तक के पूरे यूरोप में कई-कई भाषाओं में अनुवाद किए गए। यूरोपीय लोगों को भी भारत ने ही खेती करना सिखाया था।

सवाल है कि भारत का वह परंपरागत ज्ञान क्या था? आखिर भारत की कृषि परंपरा में विज्ञान के कौन से सिद्धांत अंतर्निहित थे? क्या आज भारतीय कृषि की उस वैज्ञानिक परंपरा का कोई उपयोग हो सकता है? आज भारतीय किसानों को क्या उस कृषि विज्ञान से कोई लाभ पहुंचाया जा सकता है?

यह दुर्भाग्यजनक ही कहा जाएगा कि जिस देश में कृषि जीवन पद्धति का हिस्सा हो, संस्कृति की मूल प्रेरणा हो और लाखों वर्षों से राज्य की आय का मुख्य स्रोत रही हो, उस देश में किसानों को आत्महत्या करनी पड़ रही है। वह भी तब जब हम विज्ञान के तथाकथित सर्वोच्च शिखर पर बैठे हैं। उस विज्ञान के जो बीजों को जेनेटिक रूप से परिवर्तित करके उन्हें अधिक फसल देने वाला बना देता है, जो कम समय में फसल तैयार कर देता है, जो ऐसे-ऐसे खाद और कीटनाशक तैयार कर चुका है जिससे फसल कई-कई गुणा हो जाती है। इस विज्ञान के कारण किसान को शारीरिक श्रम से मुक्ति मिल चुकी है। अब उसे बैलों के पीछे चलना नहीं पड़ता, केवल ट्रैक्टर की सीट पर बैठना होता है। इस विज्ञान ने उसे एक वैश्विक बाजार उपलब्ध करा दिया है। कम्प्यूटर के एक क्लिक पर पूरी दुनिया का बाजार उसके समक्ष खुला होता है। फिर वह आत्महत्या क्यों कर रहा है? गरीबी और भुखमरी में क्यों जी रहा है?

समझने की बात यह है कि आधुनिक कृषि विज्ञान फसल तो अवश्य बढ़ा देता है परंतु इस बढ़ी हुई फसल का फायदा किसानों को नहीं, बाजार को होता है। किसान को तो उलटे नुकसान ही उठाना पड़ता है। यह विज्ञान किसान को बाजार पर निर्भर बना देता है जो अंततः उसका खून चूस लेता है।'

वास्तव में भारतीय कृषि पद्धति के विज्ञान का पहला सिद्धांत है कि किसान 'दाता' होता है। वह देता है, लेता नहीं है। इसलिए वह आत्मनिर्भर होता है। उसके पास अपना बीज होता है, अपने बैल होते हैं, अपनी खाद होती है और अपने कीट नियंत्राक होते हैं। इस प्रकार खेती करने के लिए उसे जमीन के अलावा और किसी भी बाहरी चीज की आवश्यकता नहीं होती। यदि उसके पास जमीन है तो वह आराम से खेती कर सकता है। उसे खेती करने के लिए कुछ भी खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके पीछे एक गहरा वैज्ञानिक चक्र छिपा है।

इस चक्र में भूमि, पशु और मनुष्य तीनों एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते थे और इन तीनों से यह कृषि चक्र पूरा होता था। इस चक्र में मनुष्य पशु का पालन करता था। पशु भूमि का पालन करते थे और वह भूमि मनुष्य का पालन करती थी। यह कैसे होता था है या हो सकता है, इसे आधुनिक विज्ञान की भाषा में समझने का प्रयास करते हैं।

पशु यानि कि भारत में गोवंश। गोवंश यानि गाय और बैल। गाय और बैल किसान की मुख्य पुंजी हुआ करते थे। इनके गोबर और गोमूत्र से वह खाद और कीटनियंत्राक बनाया करता था। गोबर की खाद कई प्रकार से भूमि के लिए लाभदायक होती है। यह खाद यूरिया की तरह मिट्टी को फास्टफूड उपलब्ध नहीं करवाती, बल्कि यह मिट्टी को उपजाऊ बनाती है जिससे मिट्टी में केवल नाइट्रोजन ही नहीं, वरन् मैग्नीशियम, फास्फोरस, बोरोन, मैंगनीज जैसे भांति-भांति के अन्य ढेरों माइक्रोन्यूट्रिएंट पैदा होते हैं। यह संभव होता है गोबर खाद द्वारा पैदा किए गए सूक्ष्मजीवों के कारण। ये सूक्ष्मजीव ही मिट्टी का पोषण करते हैं और वातावरण में उपलब्ध माइक्रोन्यूट्रिएंट को मिट्टी में स्थापित करते हैं।

गोबर खाद मिट्टी की पानी ग्रहण करने की क्षमता को भी बढ़ाती है। इसके कारण खेतों में नमी बनी रहती है। इसके ठीक उलट यूरिया व डीएपी जैसे रासायनिक खाद मिट्टी की नमी की नष्ट कर देते हैं जिसके कारण खेतों में अधिक पानी की आवश्यकता पड़ने लगती है। सामान्यतः यह पाया गया है कि रासायनिक खाद डालने के बाद खेतों में तीन या चार गुणा अधिक पानी दिए जाने की आवश्यकता पड़ती है। गोबर की खाद से जो सूक्ष्मजीव मिट्टी में पैदा होते हैं, वे लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखते हैं। परिणामस्वरूप गोबर की खाद डालने की आवश्यकता घटती जाती है।

सामान्यतः पाया गया है कि एक बार गोबर की खाद डालने पर अगले वर्ष उसकी आधी मात्रा डालनी होती है और उसके बाद 1-2 वर्ष खाद नहीं डालने से भी कोई फर्क नहीं पड़ता। दूसरी ओर रासायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। इससे जमीन बंजर होती जाती है और रासायनिक खाद के प्रयोग की मात्रा हर वर्ष बढ़ती ही जाती है।

गोमूत्र और नीम आदि से बने कीटनियंत्राक फसल में लगने वाले कीटों का तो नियंत्रण करते हैं परंतु वे मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होते। उलटे उससे फसल की गुणवत्ता और बढ़ ही जाती है। परंतु रासायनिक कीटनियंत्राक मानव स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होते हैं। इनसे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियां फैलती हैं। वर्तमान में मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण भी यही प्रदूषित अन्न, फल व सब्जियों का सेवन है।

भारतीय कृषि के विज्ञान का दूसरा सिद्धांत रहा है मिश्रित खेती। भारतीय पद्धति की खेती में कभी भी खेतों में एक फसल नहीं ली जाती, हमेशा दो फसलें बोई जाती रही हैं। जैसे अरहर के साथ सरसों, गन्ने के साथ आलू या मसूर, गेंहूं के साथ चना आदि। इससे दो फायदे होते हैं। पहला फायदा तो यह है कि एक फसल मिट्टी से कुछ पोषक पदार्थ लेती है तो कुछ छोड़ती भी है। इससे दोनों फसलें मिल कर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती हैं। दूसरा फायदा यह है कि मौसम की मार से यदि एक फसल खराब हो गई तो भी दूसरी फसल से किसान की लागत निकल आती है और वह बर्बाद होने से बच जाता है।

डा. गुणाकर बताते हैं कि पिछले वर्ष 2022 फरवरी-मार्च के महीने में जो अनपेक्षित बारिश हुई और ओले गिरे, उससे रासायनिक खेती करने वालों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, परंतु भारतीय पद्धति से खेती करने वाले किसानों की फसलें बची रहीं। ऐसा अलीगढ़, मथुरा, फर्रुखाबाद, मुरादाबाद आदि कई इलाकों में देखा गया। आश्चर्य की बात है कि ऐसा अगल-बगल के खेत में भी हुआ। यह अंतर भारतीय पद्धति का है।

इसलिए भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ कर देखा गया।

आज दुनिया में इस पर शोध किया जा रहा है। जिम्बावे के एलन सेवरी ने यह शोध किया है कि गायों के स्वतंत्र रूप से चरने से बंजर भूमि भी हरी-भरी हो जाती है। इसलिए उन्होंने बंजर धरती को उपजाऊ बनाने का उपाय निकाला है कि वहां गायों के झुंड को छोड़ दिया जाए। उन्होंने अपने शोध में पाया है कि गायें बंजर भूमि पर जो गोबर करती हैं, उससे उस भूमि की पानी रोकने की क्षमता बढ़ जाती है। धीरे-धीरे वह भूमि नम होने लगती है और फिर वहां घास पैदा होने लगती है। उस घास को भूमि में ही मिला देने से वहां की मिट्टी उपजाऊ हो जाती है। इस प्रक्रिया को मल्चिंग कहा जाता है। साथ ही वहां की भूमि में सूक्ष्मजीवों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इन दो कारणों से वह भूमि खेती योग्य हो जाती है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ा जाना एक वैज्ञानिक गतिविधि थी। गाय-बैल के स्थान पर ट्रैक्टर तथा रासायनिक खादों का प्रयोग तो तर्क सम्मत भी नहीं है। जिससे तत्काल तो लाभ मिलता दिखता है परंतु इससे 50-100 वर्षों में जमीन बंजर होने लगती है। यह पंजाब में हरित क्रांति के मात्र 30-40 वर्ष के बाद ऐसा होता देखा जा सकता है। वहां के जमीन की उत्पादकता घटती जा रही है।

नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत एक शोध पत्र में यह पाया गया कि रासायनिक खादों के प्रभाव में लगातार कमी आ रही है। अर्थात् अधिक खाद डालने पर भी उस अनुपात में उपज नहीं हो रही।

हैरत की बात यह है कि इस बात की ओर ध्यान दिलाने वाले और कोई नहीं एकेडमी के अध्यक्ष और भारत में हरित क्रांति के जनक एम. एस, स्वामीनाथन ही थे।

यह जानना भी रोचक है कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने कहा कि भारत को अब हरित क्रांति की नहीं, बल्कि स्थायी हरित क्रांति (एवरग्रीन रिवोल्यूशन) की आवश्यकता है। यह स्थायी वाला तत्व बिना गोपालन के आना संभव नहीं है।

यहां पर यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि भारत अपनी विशेष जलवायु के कारण यूरोपीय देशों से भिन्न है। यहां खेतों में तीन और कई बार तो चार-चार फसल लिया जाना सामान्य बात है जबकि यूरोप में एक से अधिक फसल लेना कठिन होता है। वहां एक फसल के बाद जमीन बर्फ में दबी रहती है। इसलिए वहां रासायनिक खादों के नुकसान का पता नहीं चलता। साथ ही यदि वार्षिक उपज देखी जाए तो एक फसल का औसत उत्पादन कम होने पर भी भारतीय खेतों का औसत वार्षिक उत्पादन यूरोपीय खेतों से अधिक हो जाएगा।

इसलिए भारतीय कृषि पद्धति एक फसल में अधिक उत्पादन लेने, जिससे मिट्टी की उत्पादकता नष्ट हो जाती है, की बजाय मिट्टी की उत्पादकता बरकरार रखते हुए उससे चार-चार फसल लेने पर विश्वास करती थी। इससे एक लाभ और भी था। मनुष्यों को भोजन में विविधता भी मिलती थी। यहां के लोग केवल चावल और गेंहूं नहीं खाते थे, बल्कि मक्का, ज्वार, रागी, जैसे मोटे अनाज और सब्जियां आदि का प्रयोग बहुतायत में करते थे। ये मोटे अनाज कम पानी में उपजते हैं और मानव शरीर के लिए काफी पुष्टिकारक होते हैं। सब्जियां भी मनुष्य के लिए लाभकारी हैं।

समझा जा सकता है भारतीय कृषि पद्धति खेतों से येन-केन-प्रकारेण अधिक उपज लेने पर विश्वास नहीं करती थी, बल्कि उसके अनुसार खेतों की उर्वरता बनाए रखते हुए मानव के लिए हितकारी भोज्य पदार्थों की खेती करने को प्रोत्साहित करती थी।

इस पद्धति में पशुओं का भी सहजता से पालन हो जाता था। फसल के अवशेष जिसे हम भूसा और खली कहते हैं, पशुओं को खिलाने के काम आता था। इस प्रकार भारतीय कृषि पद्धति प्रकृति से लेन-देन का हिसाब बिल्कुल बराबर रखा करती थी। यही इसका विज्ञान था।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

विश्वनाथ से रामेश्वरम तक, 'एक भारत' भावना का उत्सव है

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं।

इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है।यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं।

काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु मेंरामेश्वरम तीर्थ है।तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर ंस्वामिजि ने अपनीविद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था।

तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं।

वर्ष2022में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आएलेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया।

इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह

सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टमपर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने।

काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....।

इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया।इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया।

तेनकासी से काशी तक पहुंचीएक विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली।इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप के आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास भी किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।

संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया। यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दो ों का विषय है। इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने विचारों से समृद्ध बनाया। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्शऔर जनसंवादको भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।